RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:214 ता. 20 फरवरी 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

लद्दाख में लोगों का जीवन आसान बनाने में केन्द्र सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी- पीएम मोदी

केन्द्र सरकार ने लद्दाख में 4.1 किलोमीटर लंबी शिकुन ला सुरंग बनाने की अनुमति दे दी है। इसको लेकर लद्दाख के लोकसभा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने पीएम मोदी का धन्यवाद करते हुए एक ट्वीट शेयर किया है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार लद्दाख के लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने लद्दाख के सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल के टैग करते हुए एक ट्वीट भी शेयर किया है। दरअसल, केन्द्र सरकार ने शिंकुन ला सुरंग बनाने की मंजूरी दे दी है, जिससे वहां के पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलने वाला है।

आसान जीवन बनाने के लिए सभी प्रयास

केंद्र सरकार ने लद्दाख को सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 2025 तक पूरी होने वाली 4.1 किलोमीटर लंबी शिंकुन ला सुरंग के निर्माण के लिए 1681.51 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसको लेकर केंद्र शासित प्रदेश के लोकसभा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल

ने कहा, लद्दाख के सबसे पिछड़े क्षेत्र जांस्कर की लुंगनाक घाटी के निवासियों ने इस फैसले के लिए मोदी जी का स्वागत और धन्यवाद किया।÷ उनके ट्वीट को टैग करते हुए मोदी ने ट्वीट किया, ÷हम लद्दाख के लोगों के लिए जीवन को आसान बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

शिंकुन ला सुरंग बनने से पर्यटन को बढ़ावा

इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से लाहौल और जंस्कार क्षेत्र के लोग आसानी से आवाजाही कर सकेंगे और आने वाले समय में इससे क्षेत्र के पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलने की भी संभावना है। पर्यटन बढ़ने से आर्थिक व्यवस्था में मजबूती आना स्वभाविक है। देश की उत्तरी सीमा के सामरिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यह प्रोजेक्ट काफी महत्वपूर्ण है।

सेना को मिलेगी मदद

शिंकुन ला सुरंग की लम्बाई 4.1 किलोमीटर है और यह केंद्र शासित प्रदेश के सीमावर्ती इलाके तक जाने का सबसे छोटा रास्ता होगा। इस सुरंग के बनने से सेना के जवान आसानी से सभी मौसम में अपना सामान ले जा सकेंगे। इस सुरंग के बनते ही सुरक्षाबलों का इन इलाकों तक पहुंचने का समय भी काफी कम हो जाएगा। आने वाले समय में यह सुरंग सामरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित होने वाली है।

> ● केंद्र सरकार ने लद्दाख को सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 2025 तक पूरी होने वाली 4.1 किलोमीटर लंबी शिंकुन ला सुरंग के निर्माण के लिए 1681.51 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसको लेकर केंद्र शासित प्रदेश के लोकसभा सांसद जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने कहा, लद्दाख के सबसे पिछड़े क्षेत्र जांस्कर की लुंगनाक घाटी के निवासियों ने इस फैसले के लिए मोदी जी का स्वागत और धन्यवाद किया। उनके ट्वीट को टैग करते हुए मोदी ने ट्वीट किया, हम लद्दाख के लोगों के लिए जीवन को आसान बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

दिल्ली से 150 किलोमीटर दूर हरियाणा में स्थापित होगा उत्तर भारत का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र-जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि उत्तर भारत का पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गोरखपुर गांव में स्थापित किया जाएगा। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में इसकी घोषणा की।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तक ही सीमित थे परमाणु ऊर्जा संयंत्र-केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन के दौरान देश के अन्य हिस्सों में परमाणु/परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना प्रमुख उपलब्धियों में से एक होगी। परमाणु ऊर्जा विभाग के एक बयान के अनुसार, परमाणु ऊर्जा संयंत्र पहले देश के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों या महाराष्ट्र तक ही सीमित थे।

10 परमाणु रिएक्टरों की स्थापना को मोदी सरकार ने दी मंजूरी

जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह भारत की परमाणु क्षमता बढ़ाने की प्राथमिकता के अनुरूप है। पिछले आठ सालों में कई क्रांतिकारी फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 10 परमाणु रिएक्टरों की स्थापना के लिए मोदी सरकार द्वारा बड़ी संख्या में मंजूरी दी गई है।

भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की है क्षमता

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परमाणु ऊर्जा विभाग को परमाणु ऊर्जा संयंत्र खोलने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की भी अनुमति दी गई है। जो एक आगामी और आशाजनक क्षेत्र है और आने वाले समय में भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की क्षमता रखता है। परमाणु ऊर्जा विभाग की ओर से जारी बयान के अनुसार, गोरखपुर हरियाणा अनु विद्युत परियोजना में 700 मेगावाट क्षमता की दो इकाइयां होंगी। अब तक कुल 20,594 करोड़ रुपये की राशि से 4,906 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। बयान में कहा गया है कि अभी तक कुल वित्तीय प्रगति 23.8 प्रतिशत है। विभाग ने बयान में कहा कि अन्य मुख्य संयंत्र भवनों या संरचनाओं का निर्माण, जैसे फायर वाटर पंप हाउस , सुरक्षा-संबंधित पंप हाउस, ईंधन तेल भंडारण क्षेत्र, वेंटिलेशन स्टैक, ओवरहेड टैंक, स्विचयार्ड कंट्रोल बिल्डिंग और अन्य का निर्माण अच्छी तरह से चल रहा है।

एमपी के कूनो नेशनल पार्क में आए 12 चीते, पीएम बोले- भारत की वन्यजीव विविधता को मिला बढ़ावा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रिका से कल 12 चीते लाए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों के मध्य प्रदेश पहुंचने से भारत की वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिला है। कल 12 चीते मध्य प्रदेश में आए थे जहां से उन्हें श्योपुर जिले के कुनो नेशनल पार्क (केएनपी) में संगरोध बाड़ों में छोड़ दिया गया था। इससे पहले 8 चीते अफ्रीकी देश के नामीबिया से लाए गए थे।

वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिला-पीएम

मध्य प्रदेश में चीतों के पहुंचने पर पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के एक ट्वीट को टैग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर कहा कि इस विकास से भारत की वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिलता है। तो वहीं भूपेंद्र यादव ने अपने ट्वीट में शनिवार को कहा था कि स्वागत है, पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में शुरू किया गया प्रोजेक्ट चीता। आज कूनो नेशनल पार्क में एक और माइलस्टोन पहुंच गया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय कृषि मंत्री की उपस्थिति में 12 चीतों का को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया था.

भारत में 1952 में विलप्त हो गए थे चीते

दक्षिण अमेरिका का इंटर-कांटिनेंटल ट्रांसलोकेशन भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का हिस्सा है क्योंकि यह भारत में चीता विलुप्त होने के सात दशकों बाद देश में इन जानवरों को फिर से पेश करने के लिए है। देश का अंतिम चीता 1947 में वर्तमान छत्तीसगढ़

के कोरिया जिले में मर गया था और प्रजाति 1952 में विलुप्त घोषित की गई थी। कल दक्षिण अफ्रिका से 12 चीते आने से केएनपी में चीते की संख्या 20 हो गई है। प्रधान मंत्री मोदी ने पिछले साल 17 सितंबर को नामीबिया से केएनपी में आठ फेलिन जारी किए थे। नामीबिया ले लाए 8 चीतों में 5 मादा चीते हैं तो वहीं तीन नर चीते शामिल हैं। इस समय जंगल में पूरी तरह से छोड़ने से पहले वह 8 चीते पार्क में शिकार एन्क्लेव में हैं।

ईसाई भी चाहते हैं भारत बने हिंदू राष्ट्र, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दावा, मांगा समर्थन

भोपाल। बागेश्वर धाम सरकार के नम से मशहूर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत जल्द ही हिंदू राष्ट्र होगा। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि विदेशी भी भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखना चाहते हैं जहां हिंदुत्व का नाम गर्व से लिया जा सके। शास्त्री ने कहा, हमारे कार्यक्रम में जो लोग विदेश से आये हैं वे भले ही ईसाई हैं लेकिन सनातन धर्म में विश्वास रखते हैं। सभी जातियों को भेदभाव को अलग करके हम सभी हिंदुस्तानी हैं। हिंदुस्तान का मतलब होता है हिंदुओं का स्थान।

धीरेंद्र कृष्ण ने कहा, हमारी सरकार बनाने या फिर सत्ता में आने की कोई इच्छा नहीं है। लेकिन अगर कोई हमारे साथ आना चाहता है या फिर समर्थन करना चाहता है तो उसका स्वागत है। मैं सभी हिंदुओं का आह्वान करता हूं कि वे हमारा समर्थन करें। भारत जल्द हिंदू राष्ट्र हो जाएगा।

बता दें धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पिछले महीने जब नागपुर गए थे तब एक अंधविश्वास विरोधी संगठन ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी।

हालांकि पुलिस ने उन्हें क्लीनचिट दी थी। शिकायत अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक श्याम मानव ने दर्ज करवाई थी। 9 जनवरी को मानव ने शास्त्री को चुनौती दी थी कि अगर वह दिव्य शक्तियों का प्रमाण दें तो वह 30 लाख रुपये देंगे। इसके बाद बागेश्वर धाम सरकार ने उन्हें अपने दरबार में आने की चुनौती दी थी। शास्त्री ने कहा, हम सरकार से कोई मांग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक लॉबी है जो कि सनातनियों को टारगेट करती है। बागेश्वर धाम से संदेश गया है को सनातनियों को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने पहले भी कहाथा कि जिसका खून साफ है वह हिंदू राष्ट्र की बात करेगा। जिसके खून में दिक्कत होगी वही इसका विरोध करेगा। उन्होंने दावा किया था कि संसद में हिंदू राष्ट्र को लेकर जल्द ही कुछ होने वाला है।

अमित शाह ने गुरुजी और छत्रपति शिवाजी को जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज (रविवार) प्रातः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधवराव सदाशिव राव गोलवलकर उपाख्य गुरुजी और छत्रपति शिवाजी की जयंती पर दोनों को नमन किया। उन्होंने ट्वीट किया- राष्ट्रीय स्वयंस्वक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्रद्धेय श्री गुरुजी ने स्वयं को राष्ट्रोत्थान के लिए समर्पित कर जीवनभर युवाओं में देशसेवा के विचार प्रबल करने का काम किया। उनका त्याग, तप और राष्ट्रभक्ति देशवासियों के लिए प्रेरणा का एक केंद्र बनी रहेगी। श्री गुरुजी की जयंती पर उन्हें चरणवंदन।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने दूसरे ट्वीट में कहा-जीवनभर देश व धर्म के लिए जीने वाले छत्रपति शिवाजी

महाराज ने एक अद्वितीय योद्धा के रूप में मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए अथक संघर्ष किए। कुशल प्रशासक के रूप में जनकल्याण, सुरक्षा व आधुनिकता के संगम वाले हिंदवी स्वराज की स्थापना कर आदर्श स्थापित किए। शिवजयंती पर उन्हें कोटिशः नमन।

मार्च अंत तक केंद्र को अपनी रिपोर्ट दे सकता है रोहणी आयोग, पूरा कर चुका है अपना काम

नई दिल्ली। आरक्षण के बाद भी इसके लाभ से वंचित ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की डेढ़ हजार से ज्यादा जातियों को हालांकि उनका हक कब मिलेगा यह कहना अभी मुश्किल है, लेकिन इन जातियों की पड़ताल करने और उन्हें आरक्षण का समुचित लाभ दिलाने के लिए जस्टिस जी. रोहणी की अगुवाई में गठित आयोग जल्द ही अपनी रिपोर्ट दे सकता है। जिस तरह आयोग अपने काम-काज को समेटने में जुटा हुआ है, उससे साफ संकेत मिल रहे है कि मार्च अंत तक वह इसे लेकर अपनी रिपोर्ट दे सकता है।

केंद्रीय सूची में शामिल है 26 सौ जातियां

मौजूदा समय में ओबीसी की केंद्रीय सूची में करीब 26 सौ जातियां शामिल है। खासबात यह है कि ओबीसी की पिछड़ी जातियों का पता लगाने के लिए केंद्र सरकार ने रोहणी आयोग

का गठन वर्ष 2017 में किया था। जिसमें उसे कुछ हफ्तों में ही इस संबंध में अपनी रिपोर्ट देनी थी। हालांकि यह काम समय से पूरा नहीं हो पाया। जिसके बाद से आयोग को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। अब तक करीब 14 बार उसे विस्तार मिल चुका है। वैसे तो नए विस्तार के बाद आयोग का कार्यकाल जुलाई 2023 तक के लिए बढ़ गया है, लेकिन अब वह अपना काम और खींचना नहीं चाहता है। आयोग से जुड़े एक वरिष्ठ सदस्य के मुताबिक आयोग ने अपना काम पूरा कर लिया है। अब सिर्फ रिपोर्ट को जांचने का काम चल रहा है।

ओबीसी आरक्षण को चार श्रेणियों में बांटने का प्रस्ताव

आयोग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ओबीसी की पिछड़ी जातियों को आरक्षण का पूरा लाभ दिलाने के लिए ओबीसी को मिलने वाले 27 फीसद आरक्षण को चार श्रेणियों में बांटने का प्रस्ताव किया गया है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पहले से ही ओबीसी जातियों की चार श्रेणियां हैं। फिलहाल केंद्रीय सूची के आधार पर ओबीसी आरक्षण के उप वर्गीकरण का जो प्रस्ताव किया गया है, उसमें इसकी चार श्रेणियां तैयार की गई है। इनमें बहुसंख्यक जातियों को ज्यादा हिस्सा भी दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक जो चार श्रेणियां प्रस्तावित की गई है, वह दो, छह, नौ और दस प्रतिशत तय की गई है। दावा है यह फार्मूला वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया गया है।

मार्च से बढ़ेगा नई दिल्ली का कूटनीतिक तापमान; जी-20 और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की होगी बैठक

नई दिल्ली। मार्च से भारत में जबरदस्त कूटनीतिक गहमा-गहमी शुरू होने वाली है। एक तो जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ ही इस समूह के मंत्रिस्तरीय बैठकों का दौर शुरू हो जाएगा। दूसरा, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तहत इसके सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों, वित्त मंत्रियों, रक्षा मंत्रियों की बैठकों की शुरुआत भी मई, 2023 से होने जा रही है, जो जुलाई तक चलेगी।

कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष करेंगे भारत यात्रा

इसके अलावा आस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी एलबनीस, इटली की जार्जिया मेलोनी और जर्मनी के चांसलर ओलोफ शोल्ज अगले कुछ हफ्तों के भीतर ही भारत के दौरे पर आ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि जब यूक्रेन-रूस विवाद काफी हद तक ठंडा हो रहा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था सामान्य होने की तरफ अग्रसर है तब वैश्विक नेताओं का भारत की तरफ रुख करना काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एक-दो मार्च को नई दिल्ली में जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इसमें सभी सदस्य 20 देशों के विदेश मंत्री और भारत की तरफ से विशेष तौर पर आमंत्रित देशों के विदेश मंत्री उपस्थित होंगे। भारत की अगुवाई में जी-20 देशों की बैठक में यह पहली मंत्रिस्तरीय बैठक होगी। इसके बाद ऊर्जा मंत्रियों, वित्त मंत्रियों, कारोबार मंत्रियों, आइटी मंत्रियों की अलग अलग बैठक होगी। सितंबर में जी-20 की शिखर बैठक से पहले भी एक बार और विदेश मंत्रियों की बैठक होगी।

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक

सूत्रों ने बताया है कि अगले महीने विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ क्वाड (आस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान व भारत का संगठन) के विदेश मंत्रियों की भी बैठक होने वाली है। दरअसल, क्वाड देशों की शिखर सम्मेलन मई में आस्ट्रेलिया में आयोजित करने की तैयारी भी चल रही है। शिखर सम्मेलन के एजेंडे को अंतिम रूप देने के लिए विदेश मंत्रियों की बैठक होगी।

मार्च में रायसीना डायलाग

विदेश मंत्रियों की इस बैठक के दौरान ही यानी दो से चार मार्च तक नई दिल्ली में रायसीना डायलाग होने जा रहा है, जिसे भारतीय कूटनीति के महाकुंभ के नाम से जाना जाता है। भारत के विदेश मंत्रालय और निजी एजेंसी ओआरएफ की तरफ से आयोजित इस सम्मलेन का उद्घाटन इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी की तरफ से होने की संभावना है।

आस्ट्रेलियाई पीएम की भारत यात्रा

इस अवसर पर पीएम नरेन्द्र मोदी भी उपस्थित रहेंगे। इसके अगले हफ्ते आस्ट्रेलिया के पीएम अलबनीस भारत के दौरे पर आएंगे। यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी और दोनों देशों के बेहद तेजी से मजबूत हो रहे द्विपक्षीय रिश्तों को देखते हुए इस यात्रा को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस बीच पूरी दुनिया की नजर चार-पांच मई को गोवा में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक पर भी होगी। इसमें चीन, रूस के विदेश मंत्रियों के साथ ही पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो या विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार के आने की संभावना है।

जुलाई में होगी एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक

भारत पहले ही कह चुका है कि वह एससीओ से जुड़े सभी देशों के विदेश मंत्रियों को आमंत्रित करेगा। अब पाकिस्तान पर है कि वह अपने विदेश मंत्री को इसमें भेजता है या नहीं। अगर वे आते हैं तो अरसे बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की भारत यात्रा होगी।

इसके बाद जुलाई में संभवत~ एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक भारत में होगी। इसके बारे में आधिकारिक तौर पर अभी कुछ नहीं बताया गया है। कूटनीतिक गतिविधियां सितंबर में और परवान चढ़ेंगी जब आर्थिक तौर पर दुनिया के सबसे ज्यादा शक्तिशाली बीस देशों के प्रमुख नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए उपस्थित होंगे।

पहले वो इस्लाम कबूल करें, तभी निकाह जायज होगा

–मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने स्वरा भास्कर की शादी को नाजायज करार दिया

शाहजहांपुर । बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष फहद अहमद को अपना हमसफर चुन लिया है, लेकिन उनकी इस शादी के बाद से विवाद भी उठने शुरू हो गए हैं। दरगाह आला हजरत से जुड़े संगठन ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी ने स्वरा भास्कर की शादी को नाजायज करार दिया है। उन्होंने कहा कि पहले स्वरा भास्कर इस्लाम कबूल करे, तभी निकाह जायज होगा। उन्होंने कहा कि बिना इस्लाम कबूल किए स्वरा भास्कर फहद अहमद से निकाह नहीं कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि शरीयत में गैर मुस्लिम से निकाह नाजायज है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी ने कहा कि इस्लाम में इस तरह से निकाह नाजायज है। हालांकि, स्वरा के ससुराल बरेली के बहेड़ी के स्थानीय लोग काफी खुश हैं। परिवार के सभी लोग इस वक्त दिल्ली गए हुए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष फहद अहमद को अपना हमसफर चुना था। स्वरा भास्कर ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट के जरिए शादी की कुछ फोटोग्राफ और वीडियो भी शेयर की थी। स्वरा भास्कर ने फहद अहमद के साथ कोर्ट मैरिज की है। जल्द ही इस्लाम धर्म के मुताबिक स्वरा भास्कर फहद अहमद के साथ निकाह करेगी। फहद यूपी के बरेली जिले के बहेड़ी के रहने वाले हैं और उनका परिवार आज भी यहीं पर रहता है। बॉलीवुड की दुनिया में स्वरा भास्कर एक बड़ा नाम है। बॉलीवुड में स्वरा भास्कर की कई मूवी हिट हो चुकी है। स्वरा भास्कर की मुलाकात 2019 में सीएए और एनआरसी को लेकर हुए प्रोटेस्ट के दौरान समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड के महाराष्ट्र के अध्यक्ष फहद अहमद से हुई थी। उसी दौरान फहद अहमद की स्पीच सुनकर स्वरा भास्कर का दिल उन पर आ गया था। स्वरा भास्कर ने तभी से ठान लिया था कि वह फहद अहमद को अपना जीवन साथी बनाएंगी। इसके बाद स्वरा भास्कर ने 5 जनवरी को शादी कर ली। बहेड़ी वासियों को जब पता चला स्वरा भास्कर ने फहद अहमद से शादी कर ली है तो बहेड़ीवासियों की खुशी बढ़ गई। लोगों का कहना है कि इंतजार है कि स्वरा भास्कर बहू बनकर आए तो उनका खूब धूमधाम से स्वागत करेंगे।

दिल्ली में झोलाछाप डॉक्टर ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया

नयी दिल्ली। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के बाबा हरिदास नगर में एक झोलाछाप डॉक्टर ने एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर कई बार दुष्कर्म किया और उसे गर्भवती कर दिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता दो महीने की गर्भवती है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस पीड़िता की मां के इस दावे की जांच कर रही है कि वह अपनी बेटी को इलाज के लिए इस झोलाछाप डॉक्टर के पास लेकर गई थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

अरुणाचल प्रदेश में 3.8 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी भाग में रविवार दोपहर 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने एक रिपोर्ट में बताया कि ताजा भूकंप दोपहर 12 बजकर 12 मिनट पर आया जो भूटान सीमा के निकट वेस्ट कामेंग में सतह से 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। मध्य-उत्तरी असम व भूटान के पूर्वी हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से तत्काल किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान होने की जानकारी नहीं मिली है। पूर्वोत्तर भारत उन क्षेत्रों में आता है, जहां भूकंप आने की काफी आशंका रहती है।

कैदी ने निगल लिया मोबाइल फोन, दर्द से बेहाल होने पर अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा

गोपालगंज । जेल में बंद कैदियों के पास अक्सर फोन मिलने की घटनाएं सामने आती हैं। जेल पुलिस की साठगांठ या फिर पुलिसकर्मियों की नजरों से छुपाकर जेल में बंद कैदी मोबाइल फोन ऑपरेट करते रहते हैं। ऐसा ही केस बिहार के गोपालगंज मंडल जेल से सामने आया है। कैशर अली के पिता का नाम बाबूजान मियां है और वह इंरदवा रफी गांव का रहने वाला है। 17 जनवरी 2020 को कैशर को हजियापुर गांव के पास से स्मैक (मादक पदार्थ) के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उसे जेल की सजा सुनाई थी। तभी से वह मंडल कारा में बंद है। उसके पास मोबाइल फोन था। सिपाही से छुपाने के लिए उसने मोबाइल फोन निगल लिया। जिससे कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में एक्स-रे करने पर उसके पेट में मोबाइल फोन साफनजर आया। जानकारी के मुताबिक, गोपालगंज मंडल कारागार में कैशर अली नाम के का कैदी मादक पदार्थ तस्करी केस में जेल की सजा काट रहा है। वह जेल में बंद रहते हुए मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा था। शनिवार रात को जब वह मोबाइल फोन चला रहा था उसी समय ड्यूटी पर तैनात सिपाही आ गया। सिपाही को आता देखकर कैशर अली घबरा गया और उसने मोबाइल फोन निगल लिया। कुछ ही देर बाद उसके पेट में भयंकर दर्द शुरू हो गया। उसने जेल प्रशासन से पेट में दर्द होने की बात कही साथ ही बताया कि उसने मोबाइल फोन निगल लिया है। यह बात सुनकर जेल प्रशासन के भी कान खड़े हो गए। आनन-फानन में उसे सदर अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। उसे सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में शनिवार की रात को भर्ती कराया गया। जब डॉक्टरों ने उसकी जांच की तो उसके पेट से एक फॉरेन पार्टीकल मिला। सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तैनात चिकित्सक डॉ सलाम सिद्दीकी ने बताया कि पेट के एक्स-रे में फॉरेन पार्टीकल होने की पुष्टि हुई है। पूछने पर सामने आया कि उनसे पकड़े जाने के डर से मोबाइल फोन निगल लिया था।

हम सभी हिंदू, किसी के साथ नहीं किया जाना चाहिए जातिगत भेदभाव : मोहन भागवत

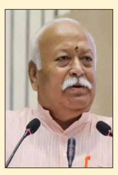

बरेली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने तीन दिवसीय प्रवास के अंतिम दिन कार्यकर्ता परिवार मिलन कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने पत्नी व बच्चों संग पहुंचे संघ के कार्यकर्ताओं को आपसी भेदभाव खत्म कर एकजुट होकर सामाजिक समरसता बढ़ाने का मंत्र दिया। संघ प्रमुख ने जात-पात का भेदभाव छोड़ने को कहा। कहा हम सब हिंदू हैं। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जिसमें कोई जाति न हो। जो दूसरी जातियां व अलग-अलग धर्म अपनाए हैं, उनके पूर्वज भी हिंदू थे। पूजा पद्धति अलग-अलग हो सकती है, लेकिन जातियां सब एक ही हैं। समय के साथ थोड़ा परिवर्तन हुआ है। हम सभी को राष्ट्र प्रथम के भाव से आगे बढ़ना है।

भूत भगाने के चक्कर में तांत्रिक मासूम से करता रहा रेप

– पीड़िता की मां भूत भगाने ले जाती थी तांत्रिक के पास

नई दिल्ली । अब देश-दुनिया में रेप की वारदातों की खबर हर दिन सुनने को मिल रही हैं। ऐसे ही दिल्ली में इंसानियत को शर्मसार करने वाली एक और वारदात सामने आई है, जिसने भी इस घटना के बारे में सुना वह सन्न रह गया। दरअसल दिल्ली में एक तांत्रिक पर 14 साल की बच्ची से रेप का आरोप लगा है। पीड़िता की मां उसे भूत भगाने के लिए तांत्रिक के पास ले जाती थी, मगर तांत्रिक झाड़ फूंक की आड़ में मासूम के साथ बार-बार रेप करता रहा। जब बच्ची दो महीने की प्रेगनेंट हुई, तब मामले का खुलासा हुआ। दिल्ली पुलिस ने पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया है। आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की की मेडिकल जांच कराई जाएगी। मीडिया के अनुसार पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि वह बच्ची को भूत भगाने के लिए तांत्रिक के पास ले गई थी। तांत्रिक ने शुरू में कई तरीके की झाड़फूंक की, फिर वह बच्ची को बार-बार अपने पास बुलाने लगा था। इस बीच बच्ची गुमसुम रहने लगी थी, वह किसी से कोई बातचीत नहीं करती थी। पीड़िता की मां ने बताया कि उसे शुरुआत में लगा कि बच्ची ठीक हो रही है। ऐसे में उसने तांत्रिक पर शक नहीं किया। बच्ची के दो महीने की गर्भवती होने के बाद परिवार को तांत्रिक की दरिंदगी के बारे में पता चला। पुलिस जांच में जुट गई है।

तोड़े गए मंदिरों का शिवाजी ने पुनर्निर्माण कराया, मोदी उस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं: शाह

पुणे (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मुगलों और अन्य विदेशी आक्रमणकारियों के शासन के दौरान नष्ट किए गए मंदिरों के पुनर्निर्माण के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की रविवार को सराहना की और कहा कि मराठा योद्धा के बाद से जारी जीर्णोद्धार कार्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है। शाह ने यह भी कहा कि छत्रपति शिवाजी के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा अत्याचार के खिलाफ विद्रोह था और उनके द्वारा शुरू की गई 'स्वराज' की लड़ाई आज भी जारी है। शाह मराठा साम्राज्य के संस्थापक की जयंती के मौके पर पुणे के नरहे-अंबेगांव में शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित 'थीम पार्क' 'शिवसृष्टि के पहले चरण का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद थे। यह परियोजना 21 एकड़ भूमि में फैली हुई है।

इसकी परिकल्पना पद्म विभूषण से सम्मानित शिवशाहीर बाबासाहेब पुरंदरे द्वारा की गई थी, जिन्होंने इसके निष्पादन के लिए महाराजा छत्रपति प्रतिष्ठान का गठन किया था। शाह ने कहा, ''मुगलों और अन्य विदेशी आक्रमणकारियों के शासन के दौरान कई मंदिरों को नष्ट कर दिया गया था। पिछले हफ्ते, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सप्तकोटेश्वर मंदिर का पुनर्विकास किया, जिसका पुनर्निर्माण छत्रपति शिवाजी महाराज ने किया था। इसी तरह, दक्षिण भारत के मंदिरों का भी पुनर्विकास मराठा योद्धा द्वारा किया गया था। शिवाजी महाराज ने मंदिरों के सामने भव्य द्वार बनवाए और इन संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।'' उन्होंने कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज के बाद, बाजीराव पेशवा, नानासाहेब पेशवा, माधवराव पेशवा और अंत में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी ने मंदिरों के जीर्णोद्धार की इस परंपरा को जारी रखा। आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उस काम को आगे बढ़ा रहे हैं, क्योंकि राममंदिर बन रहा है, काशी विश्वनाथ गलियारे का भी निर्माण किया गया है और सोमनाथ मंदिर को सोने से सजाया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और प्रधानमंत्री मोदी कई मंदिरों का पुनर्विकास करा रहे हैं।'' शाह ने कहा कि भारत के इतिहास को आकार देने में शिवाजी महाराज का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि महान मराठा शासक पर शोध करते हुए, उन्हें महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण का एक बयान मिला। शाह ने चव्हाण के हवाले से कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज न होते, तो सारी दुनिया जानती है कि भारत का क्या हश्र होता। पाकिस्तान की सीमा के लिए बहुत दूर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। शायद सीमा आपके और मेरे घर के बाहर मिल जाती।'' उन्होंने कहा, ''मैं कहना चाहूंगा कि शिवाजी महाराज का जीवन सत्ता हासिल करने के बारे में नहीं था। उनका जीवन 100 से अधिक वर्षों से किए गए अत्याचारों के खिलाफ विद्रोह करने के बारे में था। उनका जीवन स्वधर्म के लिए लड़ने और स्व की प्रशंसा करने के बारे में था। उनका जीवन स्वराज की स्थापना के बारे में था।''

शिवसेना के नाम एवं चुनाव निशान को 'खरीदने' के लिए 2000 करोड़ रुपये का सौदा हुआ: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना पार्टी के नाम एवं निशान 'तीर-धनुष' को ''खरीदने'' के लिए अब तक ''2000 करोड़ रुपये का सौदा'' हुआ है। हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े के विधायक सदा सर्वांकर ने इस दावे का खंडन किया और सवाल किया, ''क्या संजय राउत खजांची हैं।'' राउत ने एक ट्वीट में दावा किया कि 2000 करोड़ रुपये का शुरुआती आंकड़ा है और यह बात शत-प्रतिशत सच्ची है। उन्होंने संवाददाताओं से यह भी कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के करीबी एक बिल्डर ने उन्हें यह बात बतायी है।

राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि उनके दावे के पक्ष में सबूत हैं जिसे वह शीघ्र ही सामने लायेंगे। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को एकनाथ धड़े को असली शिवसेना की मान्यता दी थी और उसे चुनाव निशान 'तीर-धनुष' आवंटित करने का आदेश दिया था। पार्टी संगठन पर काबिज होने को लेकर चले लंबे संघर्ष पर 78 पन्नों के अपने आदेश में निर्वाचन आयोग ने उद्धव ठाकरे धड़े को उसे आवंटित किया गया चुनाव निशान 'जलती मशाल' महाराष्ट्र में विधानसभा उपचुनाव होने तक रखने की अनुमति दी। राउत ने रविवार को कहा कि 2000 करोड़ रुपये शिवसेना का नाम ''खरीदने'' के लिए कोई छोटी रकम नहीं है। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग का फैसला एक सौदा है।''

राउत ने ट्वीट किया, ''मुझे पक्की सूचना मिली है कि शिवसेना का नाम एवं पहचान पाने के लिए 2000 करोड़ रुपये का सौदा हुआ। यह शुरुआती आंकड़ा है तथा शत-प्रतिशत सच्ची बात है। कई बातें शीघ्र ही सामने लायी जाएंगी। इस देश के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ।'' उनसे जब महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस परोक्ष बयान के बारे में पूछा गया कि कुछ लोग ''विरोधी विचारधारा वालों के तलवे चाट रहे थे'', तब राउत ने कहा, ''वर्तमान मुख्यमंत्री क्या चाट रहे हैं? शाह क्या कहते हैं, महाराष्ट्र के लोग उसे (उस बात को) भाव नहीं देते? वर्तमान मुख्यमंत्री को छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम लेने का अधिकार नहीं है।''

शाह ने शनिवार को कहा था कि जिन लोगों ने विरोधी विचारधारा के लोगों के ''तलवे चाटना' पसंद किया था, उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के धड़े को असली शिवसेना घोषित किए जाने और उसे 'तीर-धनुष' चुनाव निशान दिए जाने के बाद पता चल गया है कि सत्य किधर है। उद्धव ठाकरे का नाम लिए बगैर शाह ने फिर कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का पद साझा करने की कोई सहमति नहीं हुई थी। शिवसेना ने 2019 के विधानसभा चुनाव का परिणाम सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ अपना गठबंधन तोड़ लिया था। इसने मुख्यमंत्री पद साझा करने के वादे से भाजपा के पीछे हट जाने का दावा किया था। बाद में उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) एवं कांग्रेस के साथ गठजोड़ कर महाराष्ट्र विकास आघाड़ी गठबंधन बनाया था जिसने शिंदे के बगावत करने से पहले तक जून 2022 तक महाराष्ट्र में शासन किया।

हाथ में कट्टा व मुंह में सिगरेट लिए शादी के मंडप में पहुंचा बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का भाई

– दलितों के साथ मारपीट कर किया हंगामा, वीडियो हो रहा वायरल

छतरपुर (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के आचार्य पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के छोटे भाई की हरकत सामने आई है, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में बागेश्वर धाम सरकार के भाई हाथ में कट्टा, मुंह में सिगरेट लिए दलितों से मारपीट कर रहे हैं। बताया जा रहा कि वायरल वीडियो छतरपुर जिले के गढ़ा गांव का है। यहां दलितों के शादी समारोह में पहुंचे धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के भाई गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। वो कट्टे से दलित परिवार के एक सदस्य को धमका रहे हैं। उल्लेखनीय है कि धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के छोटे भाई हमेशा बागेश्वर धाम सरकार के कथा प्रवचन के दौरान दिखाई देते हैं।

मीडिया के अनुसार गढ़ा गांव का यह वीडियो 11 फरवरी का है। यहां अहिरवार समाज के एक परिवार में शादी थी। इस दौरान शादी में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के छोटे भाई सौरव गर्ग उर्फ शालिग्राम गर्ग पहुंच गए। इस दौरान वो यहां जमकर हंगामा करने लगे। सिगरेट पीते हुए उनके भाई गाली-गलौज कर रहे हैं। इस दौरान वो एक युवक के साथ मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक शख्स युवक को बचाने की कोशिश करता है, जिसके बाद धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का भाई कट्टा निकालकर उसे जान से मारने की बात कहता है। शादी में मौजूद लोग तमाशा देखते रहे। राम असरे अहिरवार ने शनिवार को फेसबुक पर बागेश्वर सरकार धाम के भाई की वीडियो और फोटो को पोस्ट किया है। मीडिया के अनुसार सौरभ गर्ग की नाराजगी का कारण यह बताया जा रहा कि परिवार ने बागेश्वर धाम में सामूहिक विवाह सम्मेलन में शादी करने से इंकार कर दिया था। बागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के मौके पर 121 गरीब लड़कियों के शादी का आयोजन किया गया था। इस शादी में सीएम शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी शामिल हुए थे। बता दें कि शादी की सारी तैयारियों खुद बागेश्वर धाम सरकार ने की थी।

उत्तराखंड में बना नकल विरोधी कानून, सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा- अब पेपर लीक और नकल पर कसेगी लगाम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 19 फरवरी को बड़ा ऐलान किया है, जिसके मुताबिक अब राज्य में पेपर लीक और नकल रोकने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून बनाया गया है। इस कानून का मुख्य उद्देश्य है कि नकलचियों पर शिकंजा कसा जा सके।

इस कानून के बनने से अब राज्य की हर परीक्षा पारदर्शी रूप से होगी। भर्ती परीक्षाओं में छेड़खानी करने वालों को भी इसमें बदलाव करने से पहले सोचना होगा। बता दें कि इस संबंध में सरकार कुछ समय पहले ही नकल अध्यादेश लागू कर चुकी है।

युवाओं को मिलेगी मदद

उन्होंने कहा कि इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे युवाओं को मदद मिलेगी। युवा अब पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं दे सकेंगे जिससे नकल करने वालों की आफत आएगी।

नकल महत्वपूर्ण मुद्दा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चाहे उत्तराखंड हो या देश, परीक्षाओं में नकल और नकल एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। हर राज्य चिंतित है। उत्तराखंड में नकल विरोधी कानून से परीक्षा में नकल पर रोक लगेगी। उन्होंने ये भी बताया कि अब से परीक्षा के प्रश्नपत्र पेन ड्राइव में जारी होंगे।

उन्होंने कहा कि जो भी लोग नकल के काम में शामिल होते हैं उन्हें नकल करने से पहले अब सोचना होगा। भर्ती परीक्षाओं में छेड़छाड़ करने वालों को अब सतर्क रहने और सुधरने की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी छात्र मेहनत के साथ परीक्षाओं की तैयारियों में जुटे रहते हैं उन्हें इससे काफी लाभ मिलने वाला है।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक व मिजोरम में विस की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी आप

– सीएम केजरीवाल ने विधानसभा चुनावों पर बनाया महाप्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी यानी आप अब विस्तारवादी रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत इस साल होने वाले नौ राज्यों में से 5 राज्यों में सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। पंजाब में सरकार बनाने और गुजरात में अच्छी उपस्थिति दर्ज कराने के बाद पार्टी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक और मिजोरम में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

गुजरात विधानसभा चुनावों में 5 सीटें जीतने के बाद आप को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिल चुका है। मीडिया के अनुसार आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा है कि उनकी पार्टी ने पांच चुनावी राज्यों में पार्टी इकाइयों को संगठन बनाने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। पाठक ने कहा कि आप 5 राज्यों की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने ग्राम स्तर पर अपना संगठन बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक बार कार्यकर्ता का आधार बन जाने के बाद हम लोगों को प्रभावित करने वाले स्थानीय मुद्दों की पहचान करना शुरू कर देंगे। पाठक ने कहा कि पार्टी ग्राम स्तरीय समितियों का गठन करेगी और गांव, ब्लॉक और जिला स्तरों पर कार्यकर्ताओं का एक डेटाबेस तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि आप की ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। पाठक ने कहा कि पांचों राज्यों में फ्री बिजली-पानी, शिक्षा-चिकित्सा देने का वादे के अलावा उनकी पार्टी ने विधानसभा वार स्थानीय मुद्दों की तलाश शुरू कर दी है और उसके आधार पर ही पांचों राज्यों में माइक्रो लेवल पर चुनाव प्रचार की रणनीति बनाई जाएगी। पाठक ने कहा कि मुफ्त योजनाएं जनकल्याण के लिए है और उनकी पार्टी उससे पीछे नहीं हटेगी। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में फिलहाल बीजेपी की सरकार है, जबकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस, राजस्थान में कांग्रेस और कर्नाटक में बीजेपी की सरकार है। 2018 के चुनावों के बाद मध्य प्रदेश और कर्नाटक में बीजेपी की सरकार नहीं बनी थी, लेकिन बाद में जोड़-तोड़कर बीजेपी ने इन दोनों राज्यों में सरकार बनाई है।

शिवसेना के नाम एवं निशान आवंटन विवाद में नहीं पड़ना चाहूंगा: शरद पवार

पुणे। (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे 'तीर-धनुष' चुनाव निशान आवंटित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले पर उन्होंने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है तथा वह इसको लेकर चल रहे विवाद में नहीं पड़ेंगे। शुक्रवार को निर्वाचन आयोग ने उद्धव ठाकरे धड़े को उसे आवंटित किये गये शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) नाम एवं चुनाव निशान 'जलती मशाल' को महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा उपचुनाव होने तक रखने की अनुमति दी। यह चुनाव निशान इस धड़े को आयोग ने पिछले साल अक्टूबर में अपने अंतरिम आदेश में आवंटित किया था।

इस पर, उद्धव ठाकरे ने कहा था कि निर्वाचन आयोग का निर्णय ''लोकतंत्र के लिए घातक'' है और वह इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आयोग के फैसले को सच्चाई एवं जनता की जीत बताया था। पवार ने शुक्रवार को कहा था कि 'तीर-धनुष' निशान चले जाने से शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि जनता उसके नये चुनाव निशान को स्वीकार करेगी। रविवार को इस मुद्दे पर संवाददाताओं से पूछे जाने पर राकांपा प्रमुख ने पुणे के बारामती नगर में कहा, ''एकनाथ शिंदे धड़े को दिये गये नाम एवं चुनाव निशान से जुड़े विवाद में मैं नहीं पड़ना चाहता। मैं दो दिन पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका हूं।''

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पुणे यात्रा के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शाह सहकार महा सम्मेलन के लिए यहां आये थे। उन्होंने कहा, ''मैं इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में था। सहकारिता के क्षेत्र में नीतियों एवं मुद्दों के बारे में बातचीत हुई। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। मुझे लगता है कि उनके संबोधन में उनकी बातों का सही ढंग से जिक्र किया गया।'' मीडिया ग्रुप सकाल द्वारा बैंकिंग और चीनी उद्योग सहकार पर आयोजित सहकार महा सम्मेलन में अपने संबोधन में शाह ने शनिवार को कहा कि सहकारी क्षेत्र को अपनी प्रणाली में सुधार के लिए आत्मनिरीक्षण करना चाहिए तथा इस दिशा में केंद्र से उसे पूरा सहयोग मिलेगा।

महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में बना गिनीज बुक रिकॉर्ड, अयोध्या को पछाड़ कर जलाए गए दिये

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में नया विश्व रिकॉर्ड बना है। यहां शनिवार शाम यानी 18 फरवरी को क्षिप्रा नदी के तट पर लाखों दीये प्रज्जवलित कर एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। इस दौरान उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाकर नया रिकॉर्ड बनाया और गिनीज बुक में नाम दर्ज किया है।

बता दें कि इस दौरान गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी मौजूद रही। टीम के स्वप्निल डांगरीकर ने कहा कि उज्जैन से पहले तेल के दीये प्रज्जवलित करने का विश्व रिकॉर्ड दीपावली के मौके पर अयोध्या में बना था जहां 15.76 लाख दीये प्रज्ज्वलित हुए थे। इस बार इस रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए उज्जैन में 18.82 लाख दीये जलाए गए है। जानकारी के मुताबिक क्षिप्रा नदी के तट पर इतनी बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलन के कार्य को करीब 20 हजार स्वयंसेवकों ने पूरा किया।

उन्होंने कहा कि दीयों को कम से कम पांच मिनट के लिए जलना था, जो कि सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन करने में स्थानीय प्रशासन के साथ नागरिकों के समूहों ने भी जी तोड़ मेहनत की है। दीप प्रज्जवलन के कार्यक्रम में खुद मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी शिरकत की थी। वो यहां अपनी पत्नी साधना सिंह चौहान के साथ पहुंचे थे।

बता दें कि इस दौरान कुल 18,82,229 दीप जलाए गए। कार्यक्रम को और आकर्षक बनाने के लिए लेजर शो का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी पत्नी के साथ नौका पर बैठ कर रामघाट से भूखीमाता तक लगाये गये दीपों की अद्भुत छटा को निहारने भी गए। बता दें कि कार्यक्रम के बाद घाटों की रोशनी को बंद किया गया ताकि घाटों पर लगाए गए दीयों की रोशनी का आनंद लिया जा सके जो कि क्षिप्रा नदी के तट पर दिख रहा था। इस खास मौके पर 'शिव ज्योति अर्पणम' का टाइटल सॉन्ग भी लॉन्च किया गया।

जानकारी के मुताबिक महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर महाकाल की नगर उज्जैन में 21 लाख तेल के दीपक जलाने का लक्ष्य रखा गया था हालांकि 18.82 लाख दीये जलाने में ही सफलता मिल सकी। दीयों की गिनती के लिए ड्रोन कैमरों की मदद ली गई थी। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब महाशिवरात्रि के मौके पर उज्जैन में दीपोत्सव कार्यक्रम किया गया है। इससे पहले वर्ष 2022 में भी महाशिवरात्रि के मौके पर 11,71,078 मिट्टी के दीये जलाए गए थे।

मुयमंत्री को सौंपा गया सर्टिफिकेट

जानकारी के मुताबिक गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम के स्वप्निल डंगरीकर और निश्चल बारोट ने वर्ल्ड रिकार्ड स्थापित होने का प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा है। इस मामले पर स्वप्निल डंगरीकर ने कहा कि उज्जैन में 18 फरवरी की शाम को 18 लाख 82 हजार 229 दीप सफलतापूर्वक प्रज्ज्वलित किए गए है। शिव ज्योति अर्पण कार्यक्रम में रामघाट पर दीप प्रज्ज्वलन का कार्य शाम 7 बजे से शुरू हुआ।

सीरिया की राजधानी दमिश्क पर इजराइल के हवाई हमलों में पांच लोगों की मौत

दमिश्क। इजराइल ने बीती रात मध्य दमिश्क के एक रिहायशी इलाके पर हवाई हमले किए, जिनमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने कहा कि स्थानीय समयानुसार रात करीब साढ़े 12 बजे राजधानी में धमाकों की तेज आवाज सुनी गई और सीरिया की हवाई रक्षा प्रणाली 卐दमिश्क के आसपास आसमान में दुश्मन के हमलों का जवाब दे रही है।卐 समाचार एजेंसी ने सैन्य सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि हमलों में एक सैनिक सहित पांच लोग मारे गए हैं तथा 15 लोग घायल हुए हैं। इसने कहा कि कई रिहाइशी इमारतें तबाह हो गई हैं। हमले को लेकर इजराइल का तत्काल कोई बयान नहीं आया है। इजराइली हवाई हमलों में अकसर दमिश्क के आसपास के क्षेत्रों को निशाना बनाया जाता है। छह फरवरी को तुर्किये और सीरिया में आए 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद से ये पहले हमले हैं। इजराइल ने हाल के वर्षों में सीरिया के सरकार-नियंत्रित हिस्सों में सैकड़ों हमले किए हैं, लेकिन उसने कभी इन हमलों या अभियानों पर बात नहीं की। हालांकि इजराइल यह स्वीकार करता है कि वह ईरान समर्थित आतंकवादी संगठनों के ठिकानों को निशाना बनाता है, जिनमें लेबनान के हिज्बुल्ला जैसे संगठन शामिल हैं।

यूके : शैम्पेन की बोतल से पिता की हत्या के जुर्म में भारतीय मूल के व्यक्ति को उम्रकैद की सजा

लंदन। उत्तरी लंदन में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को पिता की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। आरोपी डीकन पॉल सिंह विज (54) को पिछले महीने ओल्ड बेली अदालत में सुनवाई के बाद दोषी पाया गया और शुक्रवार को उसी अदालत में विज को 18 साल की सजा सुनाई गई। जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''डीकन पॉल सिंह विज के इस कृत्य ने उसके परिवार को तबाह कर दिया। उन्हें हमेशा अपने प्रियजन के जाने के गम का सामना करना होगा जबकि विज को जेल में अपनी सजा काटनी होगी।'' पुलिस अधिकारी ने बताया, ''अर्जन सिंह विज (86) उत्तरी लंदन के साउथगेट में अपने बेटे के साथ रहते थे, जहां 2021 में हुई घटना के बाद पुलिस को बुलाया गया था। पुलिस ने उन्हें (अर्जन सिंह विज को) घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया था।'' पुलिस के मुताबिक, ''पोस्टमार्टम में मौत का कारण सिर पर किसी चीज से तेज प्रहार बताया गया।'' 'इवनिंग स्टैंडर्ड' अखबार के मुताबिक, उनका बेटा निर्वस्त्र था और शैम्पेन की लगभग 100 बोतलों से घिरा हुआ था, जिसमें वीउवे क्लिकॉट और बोलिंगर की खून से सनी बोतलें भी शामिल थीं। पुलिस की जांच के दौरान आरोपी ने हत्या की बात से इनकार किया था, लेकिन जांच के दूसरे ही दिन उसने आरोप स्वीकार करते हुए कहा, ''मैंने बोलिंगर शैम्पेन की बोतल से अपने पिता के सिर पर वार कर उनकी हत्या कर दी।'' आरोपी ने कहा कि उसका इरादा अपने पिता को गंभीर नुकसान पहुंचाना नहीं था। ज्यूरी ने मामले में फैसले को लेकर विचार-विमर्श करने के लिए एक दिन से भी कम का समय लिया और आरोपी को हत्या का दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

न्यूजीलैंड में बाढ़ ने मचाई तबाही, सड़कें बहीं, घरों में भरा पानी, बिजली-पानी की आपूर्ति ठप

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड इन दिनों चक्रवात गैब्रियल का कहर झेल रहा है। देश में 14 फरवरी को चक्रवात गेब्रियल के वजह से 11 लोगों की मौत हो गई है। भयंकर तबाही से न्यूजीलैंड में आपातकाल की घोषणा हो चुकी है। कुदरत का कहर इतना भयानक है कि बाढ़ में कई सड़कें बह गई हैं, घरों में पानी भर गया और 100,000 से अधिक लोगों को बिना बिजली के रहने को मजबूर कर दिया है। इस बीच एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कई लोग बाढ़ के पानी से बचने के लिए फ्रिज और गद्दे को नाव बनाकर इस्तेमाल कर रहे हैं। इंटरनेट पर एक लाइव-स्ट्रीम वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हॉक्स बे में श्रमिकों को बाढ़ से नेविगेट करने के लिए रेफ्रिजरेटर और गद्दे का उपयोग करते हुए दिखाया गया है। यह वीडियो 37 मिनट का है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को 2 हजार से ज्यादा बार शेयर किया जा चुका है। कमेंट सेक्शन में लोग न्यूजीलैंड के लिए प्राथना कर रहे हैं। न्यूज़ीलैंड स्थित एक समाचार वेबसाइट स्टफ के अनुसार, लोगों को छत से एयरलिफ्ट किया जा रहा है। लगभग 10,000 लोग विस्थापित हुए हैं, शहर और कस्बे अभी भी बिजली और पीने के पानी के बिना हैं, और स्थानीय सरकारी अधिकारियों का अनुमान है कि सैकड़ों लोगों से अभी भी संपर्क किया जाना बाकी है। प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस ने शुक्रवार को हॉक की खाड़ी क्षेत्र का दौरा किया और कहा कि पूरा देश प्रभावित समुदायों के लिए तकलीफ महसूस कर रहा है। कुछ लोग बहुत ही नाजुक स्थिति में हैं। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड में इस प्राकृतिक आपदा के बाद तीसरी बार आपातकाल की घोषणा की गई है, इससे पहले दो आपातकाल 2019 में क्राइस्टचर्च आतंकी हमले और 2020 में कोविड महामारी को दौरान लगाए गए थे। चक्रवात से हुई तबाही की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ रही है।

न्यूजर्सी में दो भारतीय महिलाओं को प्रताड़ित करने का मामला आया सामने

-भारतीय-अमेरिकी महिला बिना दस्तावेज व बिना मेहताना के रखी अपने घर में

न्यूजर्सी। एक भारतीय-अमेरिकी महिला ने न्यूजर्सी में वैध दस्तावेज के बगैर भारत से दो महिलाओं को अपने पास रखने और उन्हें उनका मेहनताना नहीं देने का जुर्म गुरुवार को कबूल लिया। न्याय विभाग ने कहा कि याचिका के समझौते के अनुसार हर्षा साहनी ने पीड़ितों को कुल 6 लाख 42 हजार 212 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और एक पीड़ित के ब्रेन एन्यूरिज्म के इलाज के लिए 2 लाख अमेरिकी डॉलर के भुगतान पर सहमति जताई। साहनी ने इस रकम को इंटर्नल रेवेन्यू सर्विस (आईआरएस) को भुगतान करने पर भी सहमति जताई। दस्तावेजों के अनुसार 2013 से अगस्त 2021 तक साहनी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर भारत से दो विदेशी नागरिकों को छिपाने और शरण देने की साजिश रची, जिन्हें साहनी ने न्यूजर्सी में अपने घर पर अपनी और अपने परिवार की मदद के लिए रखा था।

5 करोड़ साल पहले धरती पर मौजूद थी भीमकाय पेंगुइन, 6-6 फुट होती थी लंबाई 150 किग्रा होता था वजन

लंदन। हाल ही में न्यूजीलैंड में वैज्ञानिकों को 5 करोड़ साल पुराने पेंगुइन्स के जीवाश्म मिले हैं। हैरानी की बात यह है कि यह दुनिया के सबसे बड़े पेंगुइन का जीवश्म है जिसके कद और वजन को जानकर वैज्ञानिक भी हैरान हो गए हैं। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स की एक टीम ने साल 2016-2017 में न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड स्थित नॉर्थ ओटागो के बीच पर विशाल पत्थरों पर रिसर्च की थी। ये पत्थर भी 5 ।9 करोड़ से लेकर 5.5 करोड़ साल पुराने हैं।

इन्हीं में से टीम को पेंगुइन के जीवाश्म प्राप्त हुए हैं। तुलना के लिए आपको बता दें कि आज के समय में दुनिया की सबसे बड़ी पेंगुइन्स, एंपरर पेंगुइन्स होती हैं जिनका वजन 22 से 45 किलो होता है और अधिकतम कद 4 फीट तक हो सकता है। पर वैज्ञानिकों ने अंदाजा लगाया है कि जिस पेंगुइन के जीवाश्म मिले हैं, उसका कद 6 ।6 फीट तक लंबा रहा होगा और उसकी हड्डियों की घनत्वता से अंदाजा लगाया गया कि उसका वजन 150 किलो से भी ज्यादा होगा। वैज्ञानिकों ने इसका नाम कुमिमानू फोर्डिसी रखा है। यूनिवर्सिटी ऑफ ओटागो के प्रो डॉ आर इवान फोर्डिसी के सम्मान में पेंगुइन के फॉसिल को यह नाम दिया गया है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज की रिपोर्ट के अनुसार वैज्ञानिकों को दो अलग तरह की पेंगुइन्स के जीवाश्म मिले हैं। दूसरी प्रजाति का नाम पेट्राडाइप्स स्टोनहाउस रखा गया है जिसके वजन का अंदाजा 50 किलो ही लगाया गया है। इस विशाल पेंगुइन से कम वजन की है, मगर आज की एंपरर पेंगुइन से साइज में ज्यादा बड़ी रही होगी। इतने बड़े जीव का पता चलने पर ये सवाल फिर खड़ा होता है कि आखिर करोड़ों साल पहले जीव इतने बड़े कैसे हुआ करते थे? वैज्ञानिकों का अंदाजा है कि उस वक्त पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा ज्यादा थी, इस वजह से जानवरों का साइज भी बड़ा होता गया।

टोरंटो में ब्लोर योकविली आईसफेस्ट में बर्फ की एक कलाकृति की तस्वीर लेते हुए लोग।

उत्तर कोरिया ने बैलेस्टिक मिसाइल का टेस्ट करके दक्षिण कोरिया और अमेरिका को दी चेतावनी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर से अपनी ताकत का परिचय दिया है। उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने रविवार को वाशिंगटन और सियोल के लिए एक चेतावनी के रूप में इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया ने कहा कि इस सफल अभ्यास ने प्योंगयांग के घातक परमाणु जवाबी हमले की क्षमता का प्रदर्शन किया है। किम जोंग उन ने शनिवार सुबह 8 बजे और हवासोंग-15 मिसाइल को लॉन्च करने का आदेश दिया। केसीएनए के एक अधिकारी ने बताया 2017 में उत्तर में सबसे पहले इस हथियार का परीक्षण किया गया था। दक्षिण कोरिया की सेना ने शनिवार को 17:22 (0822 जीएमटी) पर आईसीबीएम लॉन्च का पता लगाया। जिसके बारे में जापान ने कहा कि उसने अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र में उसे 66 मिनट तक उड़ान भरते हुए देखा था। जापान के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि यह मुख्य भूमि संयुक्त राज्य को मार गिराने में सक्षम था। उत्तर कोरिया के नेतृत्व ने इस टेस्ट की प्रशंसा की जो सात सप्ताह में देश का पहला सबसे बेहतरीन टेस्ट था। उन्होंने कहा कि इसने आईसीबीएम इकाइयों की वास्तविक युद्ध क्षमता दिखाई जो शक्तिशाली जवाबी हमले के लिए तैयार हैं। उत्तर कोरिया के नेतृत्व ने यह भी कहा कि आईसीबीएम लॉन्च देश की शत्रुतापूर्ण ताकतों पर घातक परमाणु जवाबी हमले की क्षमता का वास्तविक सबूत है। सियोल और वाशिंगटन द्वारा उत्तर कोरिया के परमाणु हमले की स्थिति में अपनी प्रतिक्रिया में सुधार लाने के उद्देश्य से संयुक्त टेबलटॉप अभ्यास शुरू करने के कुछ ही दिन पहले प्रतिबंधों को खत्म करने की शुरुआत की गई।

पाकिस्तान के पास आतंकवाद से मुकाबले की कारगर रणनीति नहीं, बड़ा खतरा बनी टीटीपी

-विशेषज्ञों ने कहा अब प्राथमिकता बदली, अपगानिस्तान से निकलने के बाद अमेरिका के लिए अहम नहीं रहा पाक

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सामने आज आतंकवाद बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। टीटीपी जैसे आतंकी संगठन एक के बाद एक बड़े हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान की फौज इसे नियंत्रित नहीं कर पा रही है। पाक सरकार भी आतंक पर अंकुश लगाने के उपाय नहीं कर पा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन से बढ़ती नजदीकियों के चलते अमेरिका के लिए अब पाकिस्तान की अहमियत खत्म होती जा रही है। पाकिस्तानी विशेषज्ञों के अनुसार पाकिस्तान के पास दोबारा सिर उठा रहे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान से निपटने के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। पिछले साल टीटीपी ने 28 नवंबर को सीजफायर खत्म करने का ऐलान किया था। इसके बाद पूरे पाकिस्तान में आतंकी गतिविधियां तेज हो गई हैं। आतंकवाद की लहर अब राजधानी इस्लामाबाद और कराची तक पहुंचने लगी है। बीते शुक्रवार को कराची पुलिस प्रमुख के ऑफिस पर टीटीपी ने हमला बोल दिया था। आतंकियों ने कई धमाके किए और करीब 4 घंटे तक बिल्डिंग के भीतर से सुरक्षाबलों पर गोलियां बरसाते रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवाद से निपटने का काम सेना और स्पेशल फोर्सेस का है, न कि पुलिस का। दुर्भाग्य की बात है कि देश के पास इसे लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं है। हम आतंकवाद से लड़ने के लिए गलत फोर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम यह नहीं जानते कि हमारी नीति क्या है, क्या हम तालिबान से बात कर रहे हैं या उन पर हमले और बम बरसा रहे हैं?

विशेषज्ञों ने मौजूदा संकट के लिए पूर्व सेना प्रमुख और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ को जिम्मेदार ठहराया। पाकिस्तान के पास कोई आतंकवाद-विरोधी नीति नहीं है। हम किसी नीति के समर्थन में जनता को लामबंद करने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि हमारे पास कोई नीति ही नहीं है। उन्होंने कहा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बढ़त हासिल करने के लिए पाकिस्तान को लंबा सफर तय करना होगा। पेशावर की एक मस्जिद में हुए सुसाइड ब्लास्ट का जिक्र करते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि पेशावर हमले में मारे गए सैकड़ों पुलिसवालों का क्या हुआ? वे अखबारों के पन्नों में कहीं खो गए। पाकिस?तानी मामलों के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन ने कहा अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद टीटीपी की सक्रियता तेजी से बढ़ी है। एक अन्य विशेषज्ञ के अनुसार अब पाकिस्तान को यह समझने की जरूरत है कि वह अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से उतना महत्वपूर्ण नहीं रह गया है, जितना इस्लामाबाद के लोग सोचते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर पाकिस्तान खुद को उपेक्षित महसूस करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह चीन के साथ खड़ा है।

पाकिस्तान पहले ही दिवालिया हो चुका है : रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद (एजेंसी) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि देश पहले ही दिवालिया हो चुका है। उन्होंने मौजूदा आर्थिक संकट के लिए सेना, नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। अपने गृह नगर सियालकोट में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को खुद को स्थिर करने के लिए अपने पैरों पर खड़ा होना जरूरी है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने उनके हवाले से कहा, ÷आपने सुना होगा कि पाकिस्तान दिवालिया हो रहा है। यह पहले ही हो चुका है। हम एक दिवालिया देश में रह रहे हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷हमारी समस्याओं का समाधान देश के भीतर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास पाकिस्तान की समस्याओं का समाधान नहीं है।÷ उन्होंने कहा कि सेना, नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं समेत हर कोई मौजूदा आर्थिक बदहाली के लिए जिम्मेदार है क्योंकि पाकिस्तान में कानून और संविधान का पालन नहीं किया जाता। पूर्ववर्ती सरकार पर हमलावर रुख अपनाते हुए आसिफ ने कहा कि ढाई साल पहले पाकिस्तान में आतंकवादी लाए गए थे, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद की मौजूदा लहर चली। शुक्रवार को कराची में पुलिस कार्यालय पर हुए हमले के बारे में उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों का बहादुरी से मुकाबला किया।

चीनी विदेश मंत्री से मिले ब्लिंकन, कहा : अमेरिकी संप्रभुता का उल्लंघन अस्वीकार्य

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वाशिंगटन। चीन के कथित जासूसी गुब्बारे को लेकर संबंधों में आई कड़वाहट के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की और अमेरिकी संप्रभुता के 'अस्वीकार्य' उल्लंघनका मुद्दा उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि यूक्रेन युद्ध में रूस को मदद पहुंचाने को लेकर चीन पर पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर शनिवार को यह मुलाकात हुई। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, 'विदेश मंत्री ने अमेरिकी हवाई क्षेत्र में चीन के निगरानी गुब्बारे के कारण अमेरिकी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून के अस्वीकार्य उल्लंघन को लेकर सीधी बात की और कहा कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना हरकत दोबारा नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने कहा, ''भेंट के दौरान ब्लिंकन ने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपनी संप्रभुता का कोई भी उल्लंघन बर्दाश्त नहीं करेगा और चीनी गुब्बारा कार्यक्रम -- जिसने पांच महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों के हवाई क्षेत्रों में अतिक्रमण किया है-- दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है।'' ब्लिंकन ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भी बात की। प्राइस ने बताया, 'यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर युद्ध को लेकर विदेश मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर चीन रूस को भौतिक समर्थन प्रदान करता है या प्रणालीगत प्रतिबंधों से बचने में उसकी सहायता करता है, तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता दोगुनी करने का है यह समय: ऋषि सुनक

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने विश्व के नेताओं से यूक्रेन सैन्य सहायता दोगुनी करने की अपील करते हुए कहा कि अतिरिक्त हथियार एवं सुरक्षा गारंटी अभी युद्ध की विभीषिका झेल रहे इस देश को और भविष्य में शेष यूरोप को रूसी आक्रमण से बचाने के लिए जरूरी है। सुनक ने राष्ट्राध्यक्षों, रक्षा मंत्रियों और विश्व के अन्य नेताओं की वार्षिक बैठक म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में अपने संबोधन में यह संदेश दिया। इस साल के सम्मेलन में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के साल भर बाद अंतरराष्ट्रीय संबंधों के स्वीकार्य नियमों को खतरे पर चर्चा की जाएगी। युद्धक टैंक, अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणालियां और लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें यूक्रेन को मुहैया करने की ब्रिटेन की हालिया प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए सुनक ने वसंत के मौसम में रूस के संभावित हमले से पहले राष्ट्रों से सहयोग बढ़ाने की अपील की। सुनक ने कहा कि अब हमारी सैन्य सहायता दोगुनी करने का वक्त आ गया है। उन्होंने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) से भी यूक्रेन के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी मुहैया करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए है।

महाप्रलय के बेहद करीब पहुंची दुनिया, कभी भी छिड़ सकता है परमाणु युद्ध, वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया एक बार फिर प्रलय के बेहद करीब पहुंच गई है। परमाणु वैज्ञानिकों ने पिछले दिनों अपने बुलेटिन में इसको लेकर गंभीर चेतावनी दी है। विश्व में तबाही का संकेत देने वाली घड़ी 'डूम्सडे क्लॉक' को आधी रात 90 सैकेंड पर सेट किया गया है। दुनिया में तबाही का संकेत देने वाली घड़ी 'डूम्सडे क्लॉक' में 10 सेकेंड कम कर दिए हैं। इस घड़ी में मध्य रात्रि के 12 बजने का मतलब है कि विश्व का अंत हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह 3 साल में पहली बार किया गया है। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स (बीएएस) द्वारा इस कयामत की घड़ी में समय सैट किया जाता है। इससे पहले, डूम्सडे क्लॉक साल 2022 से आधी रात को 100 सेकंड पर सैट की गई थी। अब इसमें 10 सेकेंड कम कर दिए गए हैं, जो विश्व के लिए बड़े खतरे का संकेत है। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स के सीईओ राहेल ब्रोंसन ने कहा इस समय हम गंभीर खतरे के समय में जी रहे हैं और डूम्सडे क्लॉक का समय इसी वास्तविकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया की तबाही के लिए जो समय निर्धारित किया गया है, उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। अब कयामत का समय यानी आधी रात (रात 12 बजे से) सिर्फ 90 सेकेंड दूर है। इस घड़ी में आधी रात 12 बजने का मतलब है कि दुनिया समाप्त हो जाएगी। इस घड़ी में आधी रात होने में जितना कम समय रहेगा दुनिया में परमाणु युद्ध होने का खतरा उतना ही करीब होगा।

पाकिस्तान में लगातार बढ़ रही आवश्यक वस्तुओं की कीमतें, चरम पर पहुंची कंगाली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। इसका बोझ अब जनता पर दिखाई देने लगा है। भीषण नकदी तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की वार्षिक मुद्रास्फीति 38.42 प्रतिशत के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई है। आवश्यक चीजों के दाम में बढ़ोतरी लगातार जारी है। महंगाई दर में यह बढ़ोतरी तब हुई है, जब शहबाज शरीफ सरकार ने आईएमएफ की शर्तों को पूरा करने के लिए टैक्स और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ाए हैं। हालात ऐसे हैं कि लोगों के पास पैसा है, पर मार्केट में सामान की कमी देखी जा रही है।

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अल्पकालिक मुद्रास्फीति को मापने के लिए इस्तेमाल होने वाले संवेदनशील मूल्य सूचकांक (एसपीआई), साल दर साल बढ़ कर अब 38.42 फीसदी पहुंच गया है। पिछले सप्ताह 34 चीजों के दाम में बढ़ोतरी हुई है, जबकि पांच में कमी की गई और 12 में किसी भी तरह का बदलाव नहीं हुआ। ऐसे लोग जिनकी सैलरी 29,518 से 44,175 है उन पर इसका सबसे ज्यादा 39.65 फीसदी असर देखने को मिल रहा है। साप्ताहिक आंकड़ा अगर देखें तो एसपीआई में 2.89 फीसदी की वृद्धि हुई है। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी ने पाकिस्तानी अवाम की कमर तोड़ दी है। इसका सबसे बड़ा कारण पाकिस्तानी सरकार की ओर से ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी है। तेल की कीमतें बढ़ते ही अचानक से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। एसपीआई का इस्तेमाल पाकिस्तान के 17 शहरों के 50 बाजारों में सर्वे के लिए किया जाता है। इसमें दैनिक इस्तेमाल की 51 चीजों के दामों को मापा जाता है। साप्ताहिक स्तर पर पेट्रोल की कीमतों में 8.82 फीसदी, खाने के तेल में 8.65 फीसदी, घी में 8.02 फीसदी, चिकन में 7.49 फीसदी और डीजल में 6.49 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं अंडे, प्याज और टमाटर के दाम में कमी आई है। हालांकि ये कमी कोई खास नहीं है, क्योंकि प्याज के दाम एक साल पहले की तुलना में चार गुना बढ़ गए हैं। चिकन का दाम भी एक साल में दोगुना हो चुका है। दूध का दाम अब 250 रुपए लीटर हो गया है। वहीं, चिकन के दाम 780 रुपए प्रति किग्रा हो गए हैं। वहीं बोनलेस चिकन का दाम 1000 से 1100 रुपए पहुंच चुका है।

संपादकीय

वृद्ध पिता की फरमाईस

उम्र आने के बाद हर मानव यह चिन्तन करता है की मैं मेरी जिन्दगी अब आगे की सही से निकाल लूँ जितने दिन मुझे अब जीना है । आकांक्षाएं व इच्छाएं कम होने से अशांति का पथ छूट जाता है ।आध्यात्म की ओर जो मन मोड़ लेता है तो सारा भ्रम टूट जाता है । जीवन को जब मिल जाती है आत्म संतोष व शांति की धारा तब हर पल क्षण नजदीक आता जाता है । यही है अपनी मंजिल का अंतिम किनारा । व्यर्थ की बातों को भूल जाओ और आत्म शांति के पथ को अपनाओ ।आदमी अपनी इच्छा के अनुरूप सब कुछ पाना चाहता है ।पर जितना अपने मन में वह चाहता है उतना पा कहां पाता है ।जो अपनी चाह व इच्छाओं पर अंकुश लगाता है वही इस दुनियां में प्रसन्न बनकर जी पाता है । घर एक चूल्हे दो जलने लगे ।व्यवहारआपसी बदलने लगे। एक थाली में खाया कल तक बैर भाव आज क्यों पलने लगे। अच्छी सोच अच्छे विचार नहीं मिलते। मिलजुल रहने वाले परिवार ज्यादा नहीं मिलते। सुख और संपन्नता में साथ होते है सभी पर वक्त हो बुरा तो मित्र दो चार नहीं मिलते। हमारे बुजुर्गों ने हमें जन्म दिया है। अपने हिसाब से परवरिश कर हमको बड़ा किया है। पढा-लिखा कर हमें जीवन में एक दर्जा दिया है। आज वे वृद्ध हो गए हैं यह तो कुदरत का नियम है। पर हम न भूलें वे घर में अति सम्माननीय हैं। हमारा परम कर्तव्य है की उन्हें पूर्ण आदर देना व समझना आदि । अत- हम हमारी जन्दिगी में कितने ही व्यस्त हों परन्तु उनके लिए उचित समय न निकाल पाना अक्षम्य है। उनके साथ हर रोज कुछ समय बिताना, उनके संस्मरण सुनना आदि व साथ में अति मुख्य है आदर सहित उन्हें साथ बैठ कर खाना खाना। इन सबसे उनकी आत्मा को जो सुकून मिलेगा वह अवर्णनीय है। साथ में उनके अंतर से जो अनकही आशीष जो हमें मिलेगी वह अमूल्य है।ऐसा मानना है की जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है वह घर सदैव संस्कारों से धनवान होता है । क्योंकि संस्कार ही तो हैं सुख-शान्ति का सही से सच्चा आधार। यही तो होती है वृद्ध पिता की फरमाईस।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

नेपाल में फिर मचलते हिंदू राष्ट्र के अरमान

दुर्गा प्रसाद प्रसाई दुबई में भी मेडिकल कॉलेज खोलेंगे, एक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद उन्होंने पत्रकारों को जानकारी दी थी। नेपाल हिंदू राष्ट्र क्या संयुक्त अरब अमीरात के प्रिंस शेख़ हमदान बिन मोहम्मद बिन रशीद अल मकतूम की मदद से बनेगा, या नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) द्वारा कंधा लगाने से? यह सवाल पूछना तो बनता है। सोमवार को हिंदू राष्ट्र व राष्ट्रवाद, धर्म-संस्कृति, नागरिक बचाओ महाभियान में दुर्गा प्रसाद प्रसाई ने कहा था कि नेपाल के मौजूदा माहौल से दम घुटने लगा है।

पुष्परंजन

किसी ज़माने में नेपाल के राजा को विष्णु का अवतार माना जाता था। चौदह साल पहले राजतंत्र समाप्त हुआ तो लोग उस अवतार को भी भूल-भाल गये थे। अब उस अवतार की वापसी के प्रयास होने लगे हैं। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह ने सोमवार को पूर्वी नेपाल के झापा ज़िला स्थित काकड़भिटा में एक मेगा कैंपेन को हरी झंडी दिखाई, जिसमें राजतंत्र की वापसी प्रच्छन्न एजेंडा है। प्रत्यक्ष रूप से पब्लिक को यह बताया जा रहा है कि यह देश फिर से हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। धर्म, राष्ट्र, राष्ट्रवाद के प्रति नेपाल की जनता समर्पित हो, तभी नेपाल की रक्षा हो सकेगी। दिलचस्प है कि राजा का यह बाजा, उनकी मदद से बज रहा है, जो नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की सेंट्रल कमेटी में हैं। नाम है उनका दुर्गा प्रसाद प्रसाई। एमाले के सर्वोच्च नेता व पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के क़रीबी दुर्गा प्रसाद प्रसाई, झापा स्थित बिर्तामोड़ में 'पूर्बांचल कैंसर हॉस्पिटल व मेडिकल कॉलेज' के मालिक भी हैं। विगत दिनों यूएई के प्रिंस शेख़ हमदान बिन मोहम्मद बिन रशीद अल मकतूम ने दुर्गा प्रसाद प्रसाई को भारी मात्रा में सोना भेंट किया था। प्राइवेट विमान द्वारा सोना लाने वाले विवाद में प्रसाई का नाम सुर्ख़ हुआ था। नेपाली कस्टम कार्यालय ने इसकी जांच में लगभग लीपापोती की है। दुर्गा प्रसाद प्रसाई दुबई में भी मेडिकल कॉलेज खोलेंगे, एक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद उन्होंने पत्रकारों को जानकारी दी थी। नेपाल हिंदू राष्ट्र क्या संयुक्त अरब अमीरात के प्रिंस शेख़ हमदान बिन मोहम्मद बिन रशीद अल मकतूम की मदद से बनेगा, या नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) द्वारा कंधा लगाने से? यह सवाल पूछना तो बनता है। सोमवार को हिंदू राष्ट्र व राष्ट्रवाद, धर्म-संस्कृति, नागरिक बचाओ महाभियान में दुर्गा प्रसाद प्रसाई ने कहा था कि नेपाल के मौजूदा माहौल से दम घुटने लगा है। इस वजह से एक करोड़ नेपाली युवा खाड़ी देशों में चले गये। मेगा कैंपेन के वास्ते पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह, साधु-संतों, ज्ञानेंद्र के बेटे प्रिंस पारस, पुत्री प्रेरणा शाह, भतीजी सीताष्मा शाह ने दीप प्रज्वलित किये, श्वेत कपोत छोड़े। पिछले 14 वर्षों से पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र अज्ञातवास झेल रहे हैं। उनकी नये सिरे से वापसी के लिए प्रचंड की सत्ता में साझीदार राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) ने पूरी ताक़त झोंक दी है। राप्रपा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लिंगदेन नेपाल के उपप्रधानमंत्री तथा ऊर्जा व जलस्रोत मंत्री भी हैं। उनके अलावा दो कैबिनेट व राज्यमंत्री के पद मिलने से सरकार में राप्रपा की बढ़ रही ताक़त का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। गत 11 जनवरी, 2023 से पृथ्वी नारायण शाह की जयंती को राष्ट्रीय छुट्टी घोषित हो, यह मांग भी पूरी हो गई। पंद्रह साल बाद पृथ्वी जयंती को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर देने से राजावादी गद ्गद हैं। लेकिन प्रचंड ने सोमवार को ही अपना कार्ड खेला है। उन्होंने कहा कि जनयुद्ध दिवस अब केवल माओवादियों का नहीं, संपूर्ण नेपाल की सार्वजनिक संपत्ति है। इसकी ऐतिहासिकता को याद रखें, और समारोहपूर्वक मनायें। नेपाल में सरकार के सौ दिन पूरे भी नहीं हुए, मगर दिवस-दिवस खेला जा रहा है। हिंदू राष्ट्र के हवाले से सबसे मज़ेदार भूमिका कम्युनिस्ट नेता केपी शर्मा ओली की दिखती है। ये वही कम्युनिस्ट नेता ओली हैं, जिन्होंने जुलाई, 2020 में राम की जन्मस्थली नेपाल के चितवन ज़िले के माडी में होने का दावा किया था। वहां राम मंदिर संपूर्ण होने की बाट जोह रहा है। साल 2020 के बाद से ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' के कई सारे नेता हिंदू राष्ट्र की वापसी के पक्ष में बयान दे चुके हैं। यहां तक कि सेना के कई पूर्व अधिकारी इस अभियान में शामिल हैं। 2006 से 2009 के बीच नेपाली सेना के प्रमुख रह चुके जनरल रूकमांगद कटवाल ने अगस्त 2021 में एक संगठन की बाकायदा घोषणा कर दी। नाम है, 'हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान।' इसके गठन के प्रकारांतर नेपाल के तनहूं ज़िले में देवघाट के तीर पर संतन की भीड़ हुई, जिसमें 20 हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों ने सड़क पर संघर्ष का संकल्प किया था। विगत दो वर्षों से जो कुछ शांत था, उसमें घी डालने के प्रयोजन के पीछे 2024 में भारत में होने वाला आम चुनाव तो नहीं? असल में 1751 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल सीमा की जद में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल व सिक्किम जैसे पांच राज्य आते हैं। नेपाल की भू-सामरिक परिस्थितियां दोनों देशों के मतदाताओं को प्रभावित करती हैं, इसे हमें अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। साल 2006 में लोकसभा सदस्य रहते हुए योगी आदित्यनाथ ने एक किताब लिखी थी, 'हिन्दू राष्ट्र नेपाल अतीत व वर्तमान।' विश्व हिंदू महासंघ, भारत व श्री गोरक्षनाथ मंदिर, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित 51 पेज की इस बुकलेट में कई सारी तस्वीरों के साथ चौथी शताब्दी में समुद्रगुप्त से आरंभ नेपाल का संक्षिप्त इतिहास, उस देश में हिंदू धर्म का अवदान, और सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना की चर्चा है। इस पुस्तक की प्रस्तावना गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ ने लिखी थी। उपसंहार में लेखक योगी आदित्यनाथ का निष्कर्ष था कि संप्रभुता संपन्न हिंदू राष्ट्र नेपाल में शाहवंशी राजवंश की नींव 250 वर्ष पुरानी है। 'जय देश-जय नरेश' के नारे के साथ यह देश, राजा-प्रजा में परस्पर आस्था और विश्वास के साथ चला आ रहा है। माओवादी गतिविधियों से केवल नेपाल ही त्रस्त नहीं है। इनके निकट संबंध आईएसआई के अलावा भारत में सक्रिय कुख्यात आतंकवादी संगठनों उल्फा, लिट्टे, लश्करे तोइबा, जैश ए मोहम्मद आदि से भी हैं। आख़िरी पैरे में योगी आदित्यनाथ ने लिखा-'माओवादी नेपाल नरेश को अपदस्थ कर उन्हें फांसी देने की मांग कर रहे हैं। संवैधानिक राजतंत्र को सर्वथा समाप्त कर राजा के अधिकारों की कटौती की मांग संसद में कर चुके हैं। भारत को मित्र राष्ट्र नेपाल में अपने हितों को ध्यान में रखते हुए तत्काल दखल देते हुए हिदायत व सलाह देनी चाहिए।' योगी आदित्यनाथ तब सांसद थे, आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। जो कुछ बतौर लेखक उन्होंने माओवादियों के बारे में लिखा, क्या उस पर आज भी कायम हैं? दूसरा, क्या एक सांसद भारत सरकार से नेपाल के अंदरूनी मामले में दखल देने को कह सकता है? ये दो सवाल आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। कालचक्र देखिये, उस पुस्तक में जिस शेर बहादुर देउबा की जमकर भर्त्सना की थी, उसी प्रधानमंत्री देउबा का स्वागत 3 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एयरपोर्ट से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर तक कर रहे थे। प्रचंड जब नेपाल के प्रधानमंत्री बने, पीएम मोदी के बाद सबसे पहले किसी सीएम ने उन्हें बधाई दी, वो योगी आदित्यनाथ ही थे।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

खुल जा सिम-सिम... और बैंक खाते साफ

ऋषभ मिश्रा

आज के डिजिटल युग में देश की ज्यादातर आबादी इंटरनेट और स्मार्टफोन का इस्तेमाल करती है और लेन-देन के लिए यूपीआई सबसे पसंदीदा तरीका बन चुका है। ज्यादातर लोग अपनी सहूलियत के लिए दो या दो से ज्यादा नंबर भी रखते हैं और अपने फोन में ड्यूल सिम यानी दो सिम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ड्यूल सिम के इस दौर में दूसरे नंबर को रिचार्ज कराना लोग अक्सर भूल जाते हैं और यही एक गलत आदत साइबर लुटेरों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित होती है। इस छोटी-सी लापरवाही की वजह से लोग अपनी ज़िंदगीभर की कमाई से हाथ धो बैठते हैं। पिछले कुछ वक्त से देश में कई मामले सामने आये हैं जहां लोगों ने अपने दूसरे सिम को रिचार्ज कराना बंद कर दिया और बाद में ये सिम किसी साइबर ठग के हाथ लग गयी और ठगों ने पीड़ितों का पूरा खाता खाली कर दिया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी पिछले महीने ऐसे कुछ मामले सामने आये थे। जहां साइबर ठगों ने बंद पड़े सिम कार्ड को दोबारा से इश्यू कराकर लाखों की ठगी को अंजाम दिया। लखनऊ पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी फ़र्जी केवाईसी के जरिये बंद पड़े सिम को खरीद कर ठगी को अंजाम दे रहा था। दरअसल, ये साइबर अपराधी सबसे पहले फ़र्जी आईडी से बंद पड़ी सिम को खरीदते हैं। कई मामलों में तो इनकी सिम विक्रेताओं से सांठ-गांठ तक होती है। साइबर लुटेरों की कोशिश होती है कि ये पुरानी डिजिट के नंबर ही खरीदें क्योंकि ज्यादातर लोगों का ये पुराना नंबर ही उनके बैंक अकाउंट और ईमेल आईडी के साथ जुड़ा रहता है। लापरवाही या फिर जानकारी न होने की वजह से वो इसे बदलते भी नहीं हैं। एक बार सिम मिलने के बाद ये अपराधी इन सिम में आपके भीम, यूपीआई, पेटीएम, फोनपे या फिर गूगलपे जैसे किसी ऐप को लॉगिन करते हैं। लॉगिन करने के बाद इन्हें इस ऐप के साथ अटैच या आपका जुड़ा हुआ बैंक अकाउंट नंबर और ईमेल आईडी भी मिल जाती है। हालांकि ये अपराधी यूपीआई से पैसा ट्रांसफर नहीं करते हैं क्योंकि यूपीआई से एक दिन में मात्र एक लाख रुपये तक का ही लेनदेन हो सकता है। आपके बैंक अकाउंट की डिटेल लेने के बाद ये ठग बैंक की 'इंटरनेट बैंकिंग' वेबसाइट पर जाते हैं और वहां पहले 'फॉरगेट यूज़र आईडी' यानी जो यूज़र आईडी भूल गए हैं उस विकल्प पर क्लिक करते हैं और बैंक की वेबसाइट इनसे अकाउंट नंबर, ईमेल और रजिस्टर्ड फ़ोन नंबर एंटर या फिर डालने के लिए कहती है। जिसे एंटर करने के बाद आपके ही बंद पड़े सिम पर जो कि बैंक के साथ रजिस्टर है और अब साइबर ठग के पास मौजूद है उस पर एक ओटीपी आता है। ओटीपी एंटर करते ही अपराधी को इंटरनेट बैंकिंग की यूजर आईडी पता चल जाती है। ठीक इसी प्रक्रिया अथवा प्रोसेस के जरिये ये ठग 'फॉरगेट पासवर्ड' विकल्प का भी इस्तेमाल करते हैं और अपना नया पासवर्ड जनरेट या फिर बना लेते हैं। बस इसके बाद ये साइबर लुटेरे इंटरनेट बैंकिंग के जरिये आपके अकाउंट को खोलते हैं और फिर पूरा अकाउंट साफ हो जाता है। यहां पर गौर करने वाली बात ये है कि आपको पता भी नहीं चलता क्योंकि आप अपना वो नंबर पहले ही बंद कर चुके होते हैं। आपके पास बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़ा कोई मैसेज आने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। दरअसल, साइबर लुटेरे ट्राई यानी टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नए नियमों का फायदा उठा रहे हैं। पिछले वर्ष 2022 में ट्राई ने नयी गाइडलाइन जारी की थी। जिसके मुताबिक जो टेलीकॉम कंपनियां सिम खरीदने पर लाइफटाइम वैलिडिटी दे रही थीं उसे बंद कर दिया गया है। अब नए नियमों के मुताबिक अगर यूजर को अपना नंबर चालू रखना है तो उसे हर महीने अपना सिम रिचार्ज कराना होगा या फिर तीन महीने या छह

महीने का पैकेज लेना होगा। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो तीन महीने बाद ये नंबर अपने आप बंद हो जाएगा। फिर टेलीकॉम कंपनी उस सिम को किसी दूसरे व्यक्ति को इश्यू कर देगी। लेकिन ट्राई का यही नियम अब साइबर ठगों के लिए पैसा लूटने का एक नया अड्डा बन गया है। इसी तरीके का इस्तेमाल कर साइबर ठगों ने दिल्ली के एक व्यापारी के बैंक खाते से एक-दो नहीं बल्कि 75 लाख रुपये उड़ा दिए और पांच महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें एक रुपये तक वापस नहीं मिला है। दरअसल, अधिकांशतः लोग अपना ओटीपी दूसरों को शेयर करने की गलती कर बैठते हैं या फिर कोई अनऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन कर बैठते हैं। जब ऐसे किसी केस की आरबीआई जांच करता है और यदि उसे लगता है कि ये गलत ट्रांजेक्शन व्यक्ति विशेष की गलती के कारण हुआ है तब ऐसे केस में आरबीआई क्लेम को रिजेक्ट कर देता है। साइबर एक्सपर्ट बताते हैं आज आपका सिम और फोन भी आपके किसी एसेट यानी कि आपकी एक संपत्ति से कम नहीं है। ऐसे में उसका ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। अगर आप नहीं चाहते कि कोई साइबर अपराधी आपका बैंक खाता सिर्फ इस वजह से खाली कर दे कि आप अपने दूसरे सिम को रिचार्ज कराना भूल गए हैं तो अब आपको सतर्क हो जाना चाहिए और हर महीने अपने सिम कार्ड की वैलिडिटी यानी सिम की वैधता की जांच करते रहना चाहिए।

दरअसल, देश में डिजिटल क्रांति के साथ साइबर लुटेरों का भी 'गोल्डन पीरियड' शुरू हो चुका है। इन लुटेरों की गिद्ध जैसी नज़र हर वक्त आपकी गाढ़ी कमाई पर रहती है।

लेखक आईआईटी, कानपुर में एसिस्टेंट प्रोफेसर हैं।

दूरसंचार कंपनियों की धोखाधड़ी पर ट्राई का संरक्षण?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारत सरकार ने दूरसंचार नियामक आयोग बना रखा है। इस नियामक आयोग की जिम्मेदारी है, कि वह नियामक के रूप में टेलीकॉम कंपनियों और टेलीकॉम उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए दोनों पक्षों की बात को सुनकर, नियम कानून लागू करवाएं। पिछले दो दशक से टेलीकॉम ऑपरेटर आम उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी और लूट मचाए हुए हैं। इसके बाद भी नियामक आयोग उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए कभी सामने नहीं आया। पिछले 20 वर्षों में कॉल ड्रॉप की समस्या सर्वाधिक रही। इसके साथ ही इंटरनेट पर फिक्स चार्ज लेकर न्यूनतम बैंडविथ भी उपभोक्ताओं को ना पहले मिली थी, और ना आज मिल रही है। टेलीकॉम कंपनियां बड़े-बड़े दावे करती हैं। दावों के अनुसार दूरसंचार नियामक आयोग से सेवा की दरें तय करा लेती हैं। आम उपभोक्ताओं से सेवाओं के नाम पर टेलीकाम कम्पनियां वसूली करती है। सर्विस देने के मामले में जो वायदे उन्होंने अपनी स्कीम और योजनाओं में कर रखे होते हैं। वह उपभोक्ताओं को कभी नहीं मिलते हैं। उसके बाद भी जजिया कर की तरह टेलीकॉम कंपनियां आम उपभोक्ताओं से हर माह करोड़ों अरबों रुपए की राशि वसूल करती हैं। सेवा देने के मामले में उनके ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं रहती हैं। नाहि उन्हें कभी दण्डित किया जाता है। भारत सरकार ने सभी जगह नियामक आयोग बना रखे हैं, नियामक आयोग के बारे में यह कहा जाता है कि वह एक न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत काम करते हैं। उपभोक्ता बहुत कमजोर होता है। उपभोक्ता के हितों का संरक्षण नियामक आयोग और सरकार को ही करना होता है। पिछले 20 वर्षों में जिस तरीके की लूट टेलीकॉम कंपनियों ने कर रखी है। नियामक आयोग और सरकार की चुप्पी अब उपभोक्ताओं को भी अखरने लगी है।

5G के नाम पर लूट

17 फरवरी को मोबाइल ऑपरेटरों के साथ दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने बैठक हुई है। जिसमें 5त्र की सेवाओं की गुणवत्ता कैसे सुधारी जाए। इस पर सारी टेलीकॉम कंपनियां अपना पक्ष रखा। ट्राई के साथ अभी जो सर्वेक्षण हुआ है, उसमें 16 फ़ीसदी मोबाइल धारकों ने 5जी की सेवाएं ले ली हैं। वह 5जी सेवा का भुगतान कर रहे है। स्पीड 4जी की भी नहीं मिल रही है। 5जी के उपभोक्ता अभी से कॉल कनेक्शन और ड्रॉप काल की समस्याओं से जूझ रहे हैं। 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए कंपनियों को अभी बहुत समय लगेगा। बड़े-बड़े महानगरों में कुछ स्थानों पर जरूर 5जी की सेवा ट्रायल के रुप में शुरू हो गई है। लेकिन उसमें भी दावे के अनुसार सर्विस नहीं मिल पा रही हैं। लेकिन टेलीकाम कम्पनियों ने वसूली, उपभोक्ताओं से 5जी के नाम पर शुरु कर दी है। 4जी और 5जी सेवाओं के लिए अभी जो सर्वेक्षण हुआ है। उसमें 69 फ़ीसदी उपभोक्ताओं ने कवरेज नहीं मिलने, कॉल कनेक्शन ड्राप होने तथा इंटरनेट की गति जो दावा किया गया है। उसके मुकाबले बहुत कम मिलने की शिकायतें की गई है। मात्र 5 परसेंट उपभोक्ताओं ने वॉइस कम्युनिकेशन मिलने पर संतुष्टि जताई है। पिछले 20 सालों से टेलीकॉम कंपनियां उपभोक्ताओं को लूट रही हैं। किंतु इसके बाद भी नियामक आयोग ने अपनी भूमिका में उपभोक्ताओं के हितों का संरक्षण करने के बजाय, टेलीकॉम कंपनियों का संरक्षण करने में लगे रहते हैं। आम उपभोक्ताओं को भी नियामक आयोग की भूमिका समझा आने लगी है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जग भी टेलीकाम कम्पनियों की सेवाओं और लूट से परेशान है।

किन्तु न्यायालयों ने भी कभी संज्ञान लेकर टेलीकाम कम्पनियों पर लगाम नहीं कसी है। जिससे अब आम लोगों का गुस्सा और मायुसी दिनों दिन बढ़ रही है।

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयािली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि :संतान दंपत्ति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

ईयांत्रा वेंचर्स ने निवेशकों के एक लाख को 25 लाख में बदला

- पिछले छह महीने में इस स्टॉक की कीमत 2411.66 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । पिछले छह महीने में ईयांत्रा वेंचर्स स्टॉक ने अपने निवेशकों के एक लाख रुपए को 25 लाख रुपए में बदला है। ईयांत्रा वेंचर्स के शेयर में शुक्रवार को अपर सर्किट लगा और ये पांच फीसदी चढ़कर 86.15 रुपए पर बंद हुआ। करीब 6 महीने पहले यानी पांच सितंबर 2022 को ये स्टॉक बीएसई पर 3.43 रुपए पर था। इस तरह पिछले छह महीने में इस स्टॉक की कीमत 2411.66 फीसदी बढ़ी है। अगर किसी ने छह महीने पहले इस स्टॉक में एक लाख रुपए लगाए होते और उसे होल्ड किए होता तो पैसे की वैल्यू 2411 फीसदी बढ़ी होती। ऐसे में एक लाख रुपए का निवेश छह महीने में ही 25 लाख रुपए में तब्दील हो गया होता। इस स्टॉक में पिछले एक महीने से लगातार अपर सर्किट लग रहा है। इस वजह से पिछले एक महीने में ईयांत्रा वेंचर्स का स्टॉक 162.65 फीसदी चढ़ा है। यानी अगर किसी निवेशक ने एक महीने पहले भी इस स्टॉक पर एक लाख रुपए लगाए होते, वो राशि आज बढ़कर 2.62 लाख रुपए हो गई होती। ईयांत्रा वेंचर्स जेम्स एंड ज्वैलरी सेक्टर की एक स्मॉल कैप कंपनी है। इस कंपनी की मार्केट वैल्यू 12.41 करोड़ रुपए की है। इस शेयर के ग्रोथ के आंकड़े पर अगर नजर डालें, तो ये बीएसई पर पिछले पांच दिनों में 21.42 फीसदी चढ़ा है। महीने भर में इस स्टॉक में 162.65 फीसदी की तेजी आई है। शुक्रवार को ही इस स्टॉक ने अपना 52 सप्ताह का उच्च स्तर 86.15 को हासिल किया और इसका` निम्न स्तर 3.43 रुपए रहा है। पिछले छह महीने में इस स्टॉक ने जोरदार उड़ान भरी और अपने निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिया है।

भारत में 3,600 करोड़ का निवेश करेगी आरएचआई मैग्नेसिटा

नई दिल्ली । वियना की कंपनी आरएचआई मैग्नेसिटा भारत में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और संयंत्रों के आधुनिकीकरण के लिए अगले दो से तीन साल में 3,600 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) स्टीफन बोर्गस ने यह जानकारी दी। बोर्गस ने बताया कि कंपनी ने 3,600 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय के एक हिस्से का इस्तेमाल भारत में दो रिफैक्टरी संपत्तियों के अधिग्रहण में किया है। सीईओ ने कहा` कि हमने भारत में निवेश के लिए 3,600 करोड़ रुपए रखे हैं। इस राशि का इस्तेमाल भारत में अधिग्रहण और पुरानी सुविधाओं की क्षमता बढ़ाने पर किया जाएगा। यह निवेश कंपनी अपनी अनुषंगी आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया` लिमिटेड के जरिये करेगी। आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया इस्पात, सीमेंट, गैर-लौह धातु और कांच उद्योग के लिए रिफैक्टरी उत्पादों, प्रणालियों और समाधानों का विनिर्माण और आपूर्ति करती है। कंपनी ने हाल ही में क्रमशः 1,708 करोड़ रुपए और 621 करोड़ रुपए में डालमिया ओसीएल और हाई-टेक केमिकल्स के रिफैक्टरी कारोबार का अधिग्रहण पूरा किया है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने अपने आटे और नमक कारोबार को बेचने की घोषणा की

मुंबई । हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने अपने आटे और नमक के कारोबार को बेचने की घोषणा कर दी हैं। यह दिग्गज एफएमसीजी कंपनी भारतीय बाजार में अपने आटे को अन्नपूर्णा और नमक को कैप्टन कूक ब्रांड के नाम से बेचती है। एचयूएल ने बताया कि इन दोनों कारोबार को 60.4 करोड़ में उमा ग्लोबल फूड्स और उमा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को बेचा जा रहा है। ये दोनों कंपनियां सिंगापुर मुख्यालय वाली कंपनी रिएक्टिवेट ब्रांड्स इंटरनेशनल की सब्सिडियरी कंपनी है। एचयूएल ने बताया कि उसने कुछ समय पहले गैर-प्रमुख सेगमेंट से बाहर निकलने की योजना का ऐलान किया था। यह समझौता इसी रणनीति के तहत किया गया है।साथ ही इस बीच कंपनी ड्रेसिंग, स्क्रैच कुकिंग और सूप के पैकेज्ड फूड सेगमेंट में अपने कारोबार को बढ़ाने पर लगातार फोकस करती रहेगी। वित्त वर्ष 2022 में अन्नपूर्णा और कैप्टन कूक दोनों ब्रांड्स का कुल रेवेन्यू 127 करोड़ रुपए रहा था, जो एचयूएल की कुल रेवेन्यू का 1 फीसदी से भी कम है।

विदेशी संकेतकों तथा एफपीआई के प्रवाह पर निर्भर करेगी बाजार की दिशा

- डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान से भी इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा काफी हद तक विदेशी संकेतकों तथा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से भी इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। एक शोध प्रमुख ने कहा` कि वैश्विक रुख और वायदा एवं विकल्प खंड में निपटान की वजह से इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। हालांकि, एफपीआई ने पिछले कुछ दिन में खरीदारी में दिलचस्पी दिखाई है। पिछले सप्ताह थोक में कुछ खरीद हुई थी। ऐसे में बाजार की दृष्टि से उनका रुख महत्वपूर्ण रहेगा। एफपीआई पिछले सप्ताह शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने सप्ताह के दौरान शुद्ध रूप से 7,600 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इससे पिछले सप्ताह 7 से 12 फरवरी के दौरान उन्होंने 3,920 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। सप्ताह के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपए के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि सभी प्रमुख घटनाक्रम पीछे छूट चुके हैं। ऐसे में भविष्य के संकेतकों के लिए वैश्विक बाजार विशेष रूप से अमेरिकी बाजार के प्रदर्शन पर सभी की नजर रहेगी। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और रुपए की चाल से भी बाजार को दिशा मिलेगी। प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने के बीच एफपीआई की लिवाली से बीते सप्ताह बाजार की धारणा सकारात्मक रही। हालांकि, उम्मीद से कहीं ऊंची मुद्रास्फीति तथा अमेरिका के रोजगार बाजार के मजबूत आंकड़ों से पिछले सप्ताह के अंत में बाजार नीचे आया। इससे मौद्रिक रुख को और सख्त किए जाने को लेकर चिंता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में इस सप्ताह बाजार की चाल वैश्विक रुख से तय होगी।

मुकेश अंबानी ने सोमनाथ मंदिर में 1.51 करोड़ दान दिया

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश अंबानी और उनके बेटे आकाश ने शनिवार को महाशिवरात्रि पर गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। उनका सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पीके लाहिड़ी और सचिव योगेंद्र देसाई ने स्वागत किया। पिता-पुत्र की जोड़ी ने पूजा और अभिषेक किया, मंदिर के पुजारी ने उन्हें एक स्टोल और चंदन का लेप भेंट किया। शुभ त्योहार को लेकर अंबानी ने सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट को 1.51 करोड़ रुपए का दान दिया। परंपराओं में निहित, अंबानी परिवार हमेशा सभी हिंदू त्योहारों को उत्साह के साथ मनाता है। प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है, और अरब सागर तट पर वेरावल के प्राचीन बंदरगाह के पास गुजरात के गिर जिले में स्थित है।

पोस्ट ऑफिस की नई योजना, सरकार देगी हर महीने 9,000 रुपए

नई दिल्ली । इस साल के बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा की गई एक घोषणा के बाद तो इसके तहत मिलने वाली पेंशन, आय भी बढ़ गई है। अब इसमें निवेश करने की सीमा को लगभग दोगुना बढ़ा दिया गया है जिससे आय भी अधिक हो गई है। पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में कोई एक व्यक्ति 9 लाख रुपए का निवेश कर सकता है। पहले यह रकम केवल 4.5 लाख रुपये थी। अगर आप सिंगल अकाउंट में निवेश करते हैं तो आपको 5,325 रुपए की मासिक पेंशन मिलेगी। वहीं, अगर आप जॉइंट अकाउंट में निवेश करते हैं तो आप 15 लाख रुपए लगा सकते हैं और आपकी मासिक आय 8,875 रुपए हो जाएगी। इसमें दोनों ही खाताधारकों को समान हिस्सेदारी मिलेगी। इसे आप अपने जीवनसाथी के साथ शुरू कर सकते हैं। गौरतलब है कि निवेश के 5 साल बाद आपको ये आय मिलना शुरू होगी। इसमें कोई वयस्क भारतीय नागरिक निवेश कर सकता है। यहां तक की 10 वर्ष से अधिक का कोई बच्चा भी अपने नाम पर यह अकाउंट खोल सकता है और 5 साल बाद उसे नियमित आय मिलना शुरू हो जाएगी। इस पर सरकार अभी 7.1 फीसदी का ब्याज दे रही है। सबसे खास बात यह कि इस योजना में लगाए गए पैसे बाजार जोखिमों के अधीन नहीं हैं। इसलिए आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और आपको एक निश्चित आय सुनिश्चित तौर पर मिलेगी।

वित्त मंत्री ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट के दिए संकेत

- अगर केंद्र व राज्य सरकारें पेट्रोल को जीएसटी की तहत लाती हैं तब वैट और एक्साइज ड्यूटी हट जाएगी

नई दिल्ली ।

18 फरवरी 2023 को जीएसटी काउंसिल की 49वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए है। इस बैठक में पेंसिल शार्पनर और कुछ ट्रैकिंग उपकरणों पर जीएसटी को घटा दिया गया। जीएसटी काउंसिल की बैठक से पहले 16 फरवरी को निर्मला सीतारमण ने कहा था कि केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल को इसके तहत लाने के लिए तैयार है लेकिन पहले राज्यों का मानना जरूरी है। इससे पहले भी कई बार केंद्र सरकार के मंत्री पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के तहत लाने को सकारात्मक बयान दे चुके हैं। कुल मिलाजुला कर बात राज्यों पर आ जाती है। पेट्रोलियम उत्पादों पर लगने वाले मौजूदा टैक्स स्ट्रक्चर को देखा जाए तो केंद्र और राज्य सरकार दोनों को इन पर टैक्स लगाकर काफी अच्छी कमाई होती है। अगर इन उत्पादों को जीएसटी के तहत ला दिया गया तो सरकारों की आय बहुत घट जाएगी। दिल्ली में फिलहाल डीलर्स को 57.36 रुपए में पेट्रोल बेचा जाता है। इस पर 19.90 रुपए की एक्साइज ड्यूटी लगती है। इसके बाद इसमें डीलर का कमीशन जुड़ता है जो औसतन 3.75 रुपए है। अब जो वैल्यू तैयार होती है इस पर राज्य अलग-अलग वैट लगाते हैं। दिल्ली में यह 19.40 फीसदी है। इस तरह से वैट हुआ 15.71 पैसे। कुल मिलाकर दिल्ली में 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपए हो गई। अगर केंद्र व राज्य सरकारें पेट्रोल को जीएसटी की तहत ले आती हैं तब वैट और एक्साइज ड्यूटी हट जाएगी। मान लेते हैं कि पेट्रोल पर जीएसटी की सर्वाधिक दर 28 फीसदी लगाई जाती है। अब डीलर को जिस कीमत पर पेट्रोल मिलता है उस पर 28 फीसदी जीएसटी लगेगा। पेट्रोल पर टैक्स घटकर हो जाएगा 16.06 रुपए। इस पर अगर 3.75 रुपए डीलर का कमीशन जोड़ भी दिया तो भी पेट्रोल की कीमत 77 रुपए के करीब ही आएगी। हालांकि इससे राज्यों व केंद्र सरकारों को बड़ा राजस्व घाटा उठाना होगा।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 95,337 करोड़ बढ़ा

- 10 प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 95,337.95 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, आईटीसी और भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में भी बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 70,023.18 करोड़ रुपए बढ़कर 16,50,677.12 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 14,834.74 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,75,767.12 करोड़ रुपए रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 6,034.51 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी से 6,01,920.14 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल का 3,288.43 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,32,763.25 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 1,157.09 करोड़ रुपए बढ़कर 4,92,237.09 करोड़ रुपए रही।

वहीं दूसरी ओर एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 19,678.77 करोड़ रुपए घटकर 4,73,807.64 करोड़ रुपए रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 14,825.92 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,90,933.95 करोड़ रुपए पर आ गया। टीसीएस की बाजार हैसियत 13,099.41 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 12,80,539.91 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 10,309.8 करोड़ रुपए घटकर 6,66,328.56 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार मूल्यांकन में 14.3 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 9,23,919.15 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

एफसीआई देश भर में ई-नीलामी के ज रिए 11.72 लाख टन गेहूं बेचने की पेशकश करेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने तीसरी ई-नीलामी के जरिए देशभर में अपने 620 गोदामों से कुल 11.72 लाख टन गेहूं बेचने के लिए बोलियां आमंत्रित की है। नीलामी 22 फरवरी को पूर्वाह्न 11 बजे होगी। खाद्य एवं उपभोक्ता विभाग की एक विज्ञप्ति के अनुसार जिन बोलीकर्ताओं ने 17 फरवरी पूर्वाह्न 10 बजे तक एम-जंक्शन के ई-पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा लिया है, उन्हें इस नीलामी में शामिल होने की अनुमति मिलेगी। बयाना राशि जमा कराकर उसकी प्रति पोर्टल पर डालने के लिए 21 फरवरी अपराह्न ढाई बजे तक का समय है। सरकार गेहूं और आटे का दाम कम रखने के लिए मंत्रियों के समूह की सिफारिश के आधार पर व्यापारियों और आटा मिलों को कुल 30 लाख टन गेहूं की नीलामी कर रही है। गेहूं की बिक्री के लिए लिए शुक्रवार को आरक्षित मूल्य को और कम कर अच्छे मानक का गेहूं 2150 रुपए प्रति क्विंटल और नरम क्वालिटी के गेहूं का आरक्षित मूल्य 2125 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। पहली और दूसरी ई-नीलामी के दौरान कुल 12 लाख टन गेहूं बेचा गया, जिसमें से करीब नौ लाख टन माल उठाया जा चुका है। खुले बाजार में आवक बढ़ने से गेहूं और आटे की कीमतों में कमी आई है।

रूस से तेल आयात रेकॉर्ड स्तर पर

- भारत का रूसी तेल आयात जनवरी में बढ़कर 14 लाख बैरल प्रति दिन

नई दिल्ली । यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से भारत जमकर रूस से सस्ते में क्रूड ऑयल खरीद रहा है। भारत का रूसी तेल आयात जनवरी में बढ़कर रेकॉर्ड 14 लाख बैरल प्रति दिन पर पहुंच गया। इसमें दिसंबर से 9.2 फीसदी का इजाफा हुआ है। जनवरी में भारत के तेल आयात में रूसी क्रूड की हिस्सेदारी बढ़कर 28 फीसदी पर जा पहुंची। भारत पश्चिमी देशों के खिलाफ जाकर ऐसा कर रहा है। पश्चिमी शक्तियां ऑयल पर रोक लगाकर रूसी इकॉनोमी को गिराना चाहती हैं। हालांकि, भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अपनी जरूरत की चीजें वहीं से मंगाएगी, जहां कीमत फायदेमंद होगी। सरकार ने यह भी कहा कि उसकी तीन ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रूस से कच्चा तेल नहीं खरीद रही हैं। लेकिन निजी कंपनियां ही हैं जो खरीद, रिफाइनिंग और शिपिंग कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 की अवधि में बढ़कर 78.58 अरब डॉलर हो गया। जो पिछले साल की इसी अवधि के दौरान 50.77 अरब डॉलर था। अप्रैल 2022 से जनवरी 2023 के दौरान कच्चे तेल के आयात से भारत का रूस से आयात लगभग 384 फीसदी बढ़कर 37.31 अरब डॉलर हो गया। परिणामस्वरूप, रूस 2021-22 में 18वें स्थान से भारत का चौथा सबसे बड़ा आयात भागीदार बन गया। रूस से बढ़ते तेल आयात ने भारत को रुपए में खरीदी हुई वस्तुओं का भुगतान करने से रोक दिया है। भारतीय तेल क्षेत्र पर रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की एवीपी, विश्लेषक, स्वेता पटोदिया ने बताया, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल और अंतर्राष्ट्रीय ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। हालांकि, भारत में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए शुद्ध प्राप्त कीमतों में उस गति से वृद्धि नहीं हुई है। जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए महत्वपूर्ण मार्केटिंग लॉस हुआ है। जबकि वित्त वर्ष की पहली छमाही में मार्केटिंग घाटा बहुत अधिक था, तब से यह कम हो गया है। पटोदिया के अनुसार, रूसी कच्चे तेल की खरीद पर यूरोपीय संघ द्वारा लगाए गए प्राइस कैप का समग्र कच्चे तेल बाजार पर प्रभाव पड़ेगा। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड पर आईसीआरए की हालिया क्रेडिट रेटिंग रिपोर्ट के अनुसार, रूस में ओवीएल की सहायक कंपनी भू-राजनीतिक मुद्दों के कारण प्रभावित हुई थी।

आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स के पांचवें संयंत्र का तमिलनाडु में उत्पादन शुरू

चेन्नई ।

औद्योगिक और चिकित्सा गैसों की विनिर्माता कंपनी आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स ने 150 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित अपने अति उच्च शुद्धता क्रायोजेनिक चिकित्सा ऑक्सीजन और औद्योगिक गैस संयंत्र में उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने यहां सचिवालय में आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स की पांचवीं इकाई का उदघाटन किया। आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स के चेन्नई के बाहरी इलाके मनाली, सेलम, श्रीपेरुम्बुदूर और तिरुनेलवेली में भी ऐसे ही गैस संयंत्र हैं। होसुर में स्थित गैस संयंत्र 20 महीने में ही शुरू हो गया। इस संयंत्र में तरल नाइट्रोजन और तरल आर्गन के साथ-साथ अति उच्च शुद्धता क्रायोजेनिक चिकित्सा ऑक्सीजन और औद्योगिक गैस का उत्पादन किया जाएगा। नए संयंत्र का उदघाटन होने के बाद तमिलनाडु में 100 से ज्यादा अस्पतालों की मेडिकल ऑक्सीजन की मांग पूरी होने के साथ औद्योगिकी इकाइयों में भी जरूरी गैसों की मांग पूरी होगी। आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हम मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से मिलने वाले सहयोग के लिए आभारी हैं। होसुर में अति उच्च शुद्धता क्रायोजेनिक चिकित्सा ऑक्सीजन और औद्योगिक गैस की शुरुआत हमारे लिए राष्ट्र के विकास में सेवा करने की हमारी यात्रा के मार्ग में मील का पत्थर है। पांचवें संयंत्र के उदघाटन से आईएनओएक्सएपी की राज्य में तरल ऑक्सीजन विनिर्माण की क्षमता 150 टन से बढ़कर 300 टन प्रतिदिन हो गई है।

एफपीआई ने बीते सप्ताह शेयर बाजार में 7,600 करोड़ डाले

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार की ओर स्थानांतरित हुआ है। बीते सप्ताह एफपीआई ने शेयर बाजार में 7,600 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले सप्ताह सात से 12 फरवरी के दौरान एफपीआई ने 3,920 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार के अडानी के झटकों से उबरने के साथ ही एफपीआई का प्रवाह सुधरा है। भारतीय शेयर बाजारों की तरफ उनका रुझान फिर बढ़ा है। ऐसा प्रतीत होता है कि जनवरी की शुरुआत से भारत में जो सतत बिकवाली का सिलसिला शुरू हुआ था वह अब बंद हो गया है। हालांकि एफपीआई उच्चस्तर पर फिर बिकवाली कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार 17 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफपीआई ने 7,666 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। उन्होंने कहा कि स्थिर अर्थव्यवस्था, मजबूत वृहद आंकड़े और ऊंची वृद्धि की संभावना के बीच एफपीआई अब मूल्यांकन और अन्य चिंताओं से अलग हटकर देखने को तैयार हैं। इस साल की शुरुआत से 10 फरवरी तक एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 38,524 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

इसमें जनवरी में उनके द्वारा की गई 28,852 करोड़ रुपए की बिकवाली भी शामिल है। इस साल अब तक एफपीआई ने शेयरों से 30,858 करोड़ रुपए निकाले हैं। वहीं इस दौरान उन्होंने ऋण या बॉन्ड बाजार में 5,944 करोड़ रुपए डाले हैं।

प्रतियोगी परीक्षाओं की एंट्रेंस टेस्ट फीस पर नहीं देनी होगी जीएसटी

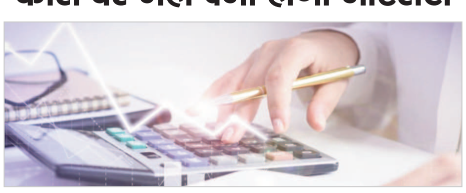

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की 49वीं बैठक में छात्रों को बड़ी राहत दी गई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जैसी सरकारी संस्थाएं अपने एंट्रेंस टेस्ट की जो फीस लेती हैं, उस पर छात्रों को अब कोई जीएसटी नहीं देना होगा। इस फीस पर छात्रों को अब तक 18 फीसदी जीएसटी देना पड़ता है। यानी अब जेईई, नीट जैसे तमाम एंट्रेंस टेस्टों की फीस कम हो सकती है। इसके अलावा पेंसिल और शार्पनर पर जीएसटी घटाया गया है। अब तक इन पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है।

अब इसे 12 फीसदी कर दिया गया है। जीएसटी काउंसिल ने खुले में बेचे जाने वाले गन्ने की राब (लिक्विड गुड़) पर लगने वाले जीएसटी की दर 18 फीसदी से घटाकर जीरो करने का फैसला लिया है। इसका उत्पादन यूपी जैसे राज्यों में ज्यादा होता है। जीएसटी काउंसिल ने पान मसाला और गुटखा पर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की सिफारिशें मंजूर कर लीं। अभी तक पान मसाला, गुटखा पर मुआवजा सेस इनके बिक्री मूल्य पर लगता था, जिससे राजस्व में नुकसान हो रहा था। इसे रोकने के लिए अब इनके उत्पादन पर टैक्स ले लिया जाएगा। इसका नोटिफिकेशन जल्द जारी होगा। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सभी राज्यों को बकाया मुआवजा 16,982 करोड़ रुपए जारी कर दिया जाएगा। ऑनलाइन गेमिंग पर ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की रिपोर्ट को बैठक में नहीं लिया जा सका। कारोबारियों को सालाना रिटर्न भरने में देरी होने पर राहत दी गई है। जिन लोगों का कारोबार पांच करोड़ रुपए तक है, अगर वे देरी से सालाना रिटर्न भरते हैं तो अब तक उन पर लेट फीस 200 रुपए रोजाना की दर से लगती थी। इसे घटाकर अब 50 रुपए रोजाना कर दिया गया है। जिन लोगों का कारोबार 5 से 20 करोड़ रुपए के बीच है, उन्हें लेट फीस 100 रुपए प्रतिदिन देनी होगी। जिन लोगों का कारोबार 20 करोड़ रुपए से ज्यादा है, उन्हें कोई राहत नहीं दी गई है। उन्हें लेट फीस रोजाना 200 रुपए के हिसाब से ही देनी होगी।

भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हराया

–सीरीज में 2–0 से आगे हुई – जडेजा बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। रवींद्र जडेजा और आर अश्विन की शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम ने मेहमान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में छह विकेट से हराकर चार मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने इससे पहले नागपुर में हुआ पहला टेस्ट भी जीता था। मैच के तीसरे दिन रविवार को भारतीय टीम को जीत के लिए दूसरी पारी में 115 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछ करते हुए भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल इस बार भी विफल रहे और केवल एक रन ही बना पाये। उन्हें नाथन लॉयन ने आउट किया। 6 रन पर ही पहला विकेट गिरने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने पारी को संभाला। उन्होंने 20 गेंद पर 31 रन बनाए। जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। वह रन आउट हुए।

39 रन पर 2 विकेट गिरने के बाद चेतेश्वर पुजार और विराट कोहली ने स्कोर को 69 रन तक पहुंचाया। कोहली 20 रन बनाकर ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी की गेंद पर स्टंप हो गए। इसके बाद उतरे श्रेयस अय्यर भी 6 रन बनाकर लॉयन की गेंद पर पेवेलियन लौट गये। तब पुजारा 31 और केएस भरत 23 ने भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया ने मैच के दूसरे दिन तेज़ बल्लेबाज़ी करते हुए केवल 12 ओवर में एक विकेट गंवाकर 61 रन जोड़ लिए थे, पर तीसरे दिन वह भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर पायी। ऑस्ट्रेलिया ने करीब डेढ़ घंटे में ही केवल महज 52 रनों पर ही नौ विकेट खो दिये और वह दूसरी पारी में केवल 113 रन बनाकर आउट हो गयी। भारत की ओर से रविन्द्र जडेजा ने 42 रन देकर सबसे अधिक सात और आर अश्विन ने 59 रन देकर तीन विकेट लिए।

तीसरे दिन शुरुआती सत्र में ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विकेट खो दिये। पहले ही ओवर में ट्रेविस हेड आर अश्विन का शिकार बने।इसके बाद तो एक के बाद एक विकेट गिरने लगे। विकेटों की झड़ी लग गई। शुरुआती एक घंटे में ही ऑस्ट्रेलिया ने अपने सात विकेट खो दिए। सभी विकेट स्पिनरों ने लिए। अश्विन के बाद जडेजा ने भी प्रभाव दिखाया।

दरअसल, कप्तान रोहित शर्मा ने आज तीसरे दिन के पहले ओवर की जिम्मेदारी अपने सबसे अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को सौंपी। हेड ने 46 गेंद में 43 रन बनाए।

अश्विन के बाद जडेजा का भी जादू देखने को मिला, उन्होंने तो इस पारी का अपना पांचवां शिकार किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवीं बार पांच विकेट लिए। लगातार दो गेंदों में पीटर हैंड्सकॉम्ब और पैट कमिंस को पेवलियन भेजा।

जडेजा ने मार्नस लाबुशेन 35 को बोल्ड किया, जबकि स्टीव स्मिथ और मैट रेंशा अश्विन की गेंद पर पगबाधा हो गए। इसके अलावा जडेजा ने पीटर हैंडस्कॉम्ब, पैट कमिंस और मैथ्यू कुहनेमान को भी शून्य पर आउट किया, जबकि एलेक्स कैरी सात रन ही बना सके। यह टेस्ट क्रिकेट में जडेजा के

करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ 2016 में आया था जब उन्होंने 48 रन देकर सात विकेट लिए थे।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था और भारत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 263 पर समेट दिया था। इसके बाद भारतीय टीन ने बल्लेबाजी करते हुए 262 रन बनाए थे जिसमें अक्षर पटेल ने सबसे अधिक 74 रन की पारी खेली थी।

विराट ने सचिन को पीछे छोड़ा, सबसे तेज 25,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। विराट दूसरी पारी में 20 रन बनाने के साथ ही अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 25,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विराट ने इसी के साथ ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पीछे छोड़ दिया है। सचिन ने 577 पारियों में इस आंकड़े को हासिल किया है। वहीं विराट ने 549 पारियों में ऐसा किया है।

कोहली और सचिन के बाद ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (588), दक्षिण अफ्रीक के जैक कैलिस (594), श्रीलंका के कुमार संगकारा (608) और महेला जयवर्धने (701) इस मुकाम को हासिल करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज हैं। अब तक केवल 6 बल्लेबाज ही 25,000 रनों के मुकाम तक पहुंच पाए हैं। कोहली ने 492 मैचों और 549 पारियों में 53.55 की औसत से 25,012 रन बनाए हैं। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 74 शतक और 129 अर्धशतक हैं। उन्होंने अब तक 106 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 48.77 की औसत से 27 शतक और 28 अर्द्धशतक के साथ 8,195 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254 नाबाद रनों का है। वहीं एकदिवसीय में कोहली ने 271 मैचों में 57.69 की औसत से 12,809 रन बनाए हैं जबकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 52.73 की औसत से 4,008 रन हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

1 सचिन तेंदुलकर- 34,357 रन
2 कुमार संगकारा - 28,016 रन
3 रिकी पोंटिंग - 27,483 रन
4 महेला जयवर्धने - 25,957 रन
5 जैक कैलिस - 25,534 रन
6 विराट कोहली - 25,012 रन

तीसरे और चौथे टेस्ट के साथ ही एकदिवयीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

–पहले एकदिवसीय में रोहित नहीं खेलेंगे, पांड्या करेंगे कप्तानी करेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय द्मिस्त्रद्ध्रकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तीसरे और चौथे टेस्ट के लिए टीम घोषित कर दी है। चयन समिति ने इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भी टीम घोषित की है सौराष्ट्र के कप्तान और तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। रणजी में उनादकट ने शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं एकदिवसीय टीम की बात करें तो रोहित शर्मा पहले मैच में उपलब्ध नहीं होंगे। उनकी जगह टी20 अंतरराष्ट्रीय शनल टीम के नए कप्तान हार्दिक पांड्या टीम का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे। वहीं चोटिल जसप्रीत बुमराह अभी भी पूरी तरह से उभर नहीं पाए हैं और टेस्ट तथा वनडे टीम में उनकी वापसी नहीं हुई है।

तीसरे और चौथे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, केएस भरत (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, मो. शमी, मो. सिराज, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, उमेश यादव, जयदेव उनादकट।

तीन वनडे मैचों के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, के एल राहुल, ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद। शमी, मो. सिराज, उमरान मलिक, शार्दुल ठाकुर, अक्षर पटेल, जयदेव उनादकट।

टेस्ट मैचों का कार्यक्रम

तीसरा टेस्ट : 1 - 5 मार्च, इंदौर
चौथा टेस्ट: 9 - 13 मार्च, अहमदाबाद

तीन एकदिवसीय मैचों का कार्यक्रम

पहला मैच : 17 मार्च, मुंबई
दूसरा मैच : 19 मार्च, विजाग
तीसरा मैच : 22 मार्च, चेन्नई

जडेजा की जादुई वापसी

नई दिल्ली ।टीम इंडिया के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने सर्जरी के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहने के बाद भी टीम इंडिया में शानदार वापसी करते हुए बार फिर अपने को साबित किया है।जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद दूसरे टेस्ट में भी अपनी गेंदबाजी से मेहमान टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया।करीब पांच महीने बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने वाले जडेजा ने अपनी शानदार गेंदबाजी से कंगारुओं को कोई अवसर नहीं दिया।दूसरे टेस्ट मैच में जडेजा ने कुल 10 विकेट लिए।जडेजा की स्पिन का जादू ऐसा चला कि मेहमान टीम के बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटते गये।इस प्रकार पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में 113 रनों पर ही सिमट गयी।जडेजा ने दूसरी पारी में 7 विकेट लिए।जडेजा ने दूसरी पारी में 12.1 ओवर की गेंदबाजी में 42 रन देकर 7 विकेट अपने नाम किए जो टेस्ट की एक पारी में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।इससे पहले उन्होंने 48 रन देकर 7 विकेट लिए थे।जडेजा ने पहली पारी में भी 3 विकेट लिए थे।उन्होंने इस सीरीज के पहले टेस्ट मैच से मैदान पर वापसी की थी।नागपुर टेस्ट मैच में जडेजा ने 7 विकेट अपने नाम किए थे जिसमें दूसरी पारी में उन्होंने 5 विकेट लिए थे।बाएं हाथ के स्पिनर जडेजा ने पहले टेस्ट मैच में 81 रन देकर कुल 7 विकेट लिए थे।जडेजा घुटने में चोट के कारण अगस्त 2022 से ही खेल से दूर थे।

दूसरे टेस्ट में हार से निराश कमिंस बोले, शुरुआत में हम आगे चल रहे थे

नई दिल्ली ।भारतीय टीम के खिलाफ लगातार दूसरे टेस्ट मैच में मिली हार से निराश ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि इस मैच में हम शुरुआत में आगे थे पर बाद में मैच हमारे हाथ से निकल गया।भारतीय टीम ने यहां के अरूण जेतली स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराकर दूसरे टेस्ट के साथ ही सीरीज में 2–0 की बढ़त हासिल की है।मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि हम खेल में आगे थे और भारत में ऐसा अक्सर नहीं होता।कमिंस ने मैच के बाद कहा, मैंने सोचा था कि पहली पारी में 260 एक अच्छा स्कोर था।हमारी टीम ने इस मैच से अच्छी वापसी कर प्रयास किया पर भारतीय टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच पर कब्जा कर लिया।केवल एक दो अच्छी साझेदारी से ही हमने 260 रन बना लिए थे।कमिंस ने निराश होकर कहा कि हम खेल में आगे चल रहे थे पर बाद में पिछड़ गये।साथ ही कहा कि हमें शॉट चयन पर समीक्षा की जरूरत है।हम खेल में आगे थे और भारत में ऐसा अक्सर नहीं होता।यह हार दुख देती है।

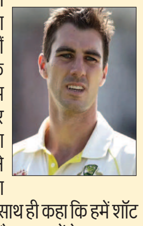

महिला टी20 विश्वकप : सेमीफाइनल में जगह बनाने आयरलैंड पर आज बड़ी जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय महिला टीम

गेकबेर्हा (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम सोमवार को आयरलैंड के खिलाफ होने वाली मैच में बड़ी जीत दर्ज कर आईसीसी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में प्रवेश का प्रयास करेगी। पिछले मैच में इंग्लैंड से मिली हार से भारतीय टीम को झटका लगा था। भारतीय टीम अभी तीन मैचों में चार अंक से इंग्लैंड (तीन मैचों में छह अंक) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंग्लैंड ने सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया है।

भारतीय टीम को अब अपने अंतिम ग्रुप मैच में आयरलैंड के खिलाफ बड़ी जीत की जरूरत होगी ताकि वह ग्रुप दो से सेमीफाइनल के लिए जगह बना पायेगी। भारतीय टीम का वर्तमान रन रेट प्लस 0.205 का है, जिसमें उन्हें सुधार करना होगा। वहीं पाकिस्तान को शुरूआती मैच में भारत से हार मिली थी, उनके दो मैचों में दो अंक हैं और अगर वे अपने अंतिम दो मैचों में जीत हासिल कर सकते हैं तो उसके पास भी अंतिम चार में जगह बनाने का अवसर हो सकता है।

वहीं आयरलैंड सभी तीन मैच हारकर पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। आयरलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के लिये भारतीय बल्लेबाजों को आक्रामक रुख अपनाने हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा।

गावस्कर को आई ऋषभ की याद बोले, जल्दी ठीक हो जाओ

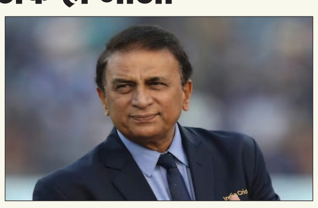

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को याद किया और उम्मीद जतायी कि वह शीघ्र ही ठीक होकर मैदान में नजर आयेंगे। ऋषभ दिसंबर महीने में हुए कार हादसे के बाद से ही मैदान से दूर चल रहे हैं। उनके पूरी तरह से ठीक होने में छह महीने का समय लगने की उम्मीद है पर मैदान में वह कब वापसी करेंगे ये अभी कहा नहीं जा सकता। गावस्कर को दूसरे टेस्ट में तब ऋषभ की याद आई जब भारतीय टीम पहली पारी में लड़खड़ा रही थी। उस समय कॉमेंट्री कर रहे गावस्कर को ऋषभ की याद आई क्योंकि वह टेस्ट क्रिकेटर में अधिकतर भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकालते रहे हैं। गावस्कर ने कमेंट्री के दौरान कहा, ऑस्ट्रेलिया भाग्यशाली है कि ऋषभ नहीं खेल रहे हैं। वह अगर खेल रहा होता तो उसके पास कहने के लिए बहुत कुछ होता। जरूरी नहीं कि बल्लेबाजों को बल्कि अपने साथी खिलाड़ियों को। ऋषभ अगर आप सुन रहे हैं, हम सब आपको याद कर रहे हैं, जल्दी ठीक हो जाओ। गौरतलब है कि 25 वर्षीय ऋषभ ने अब तक कुल 33 टेस्ट मैच खेलते हुए 56 पारियों में 43.7 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए 2271 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 5 शतक और 11 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जाकर भी टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाये हैं।

रणजी ट्रॉफी फाइनल में सौराष्ट्र की जीत के हीरो रहे उनादकट

कोलकाता (एजेंसी)। सौराष्ट्र की रणजी ट्रॉफी फाइनल में जीत के साथ ही टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट छा गये है। उनादकट ने इस मैच में कुल 9 विकेट लिए। इस गेंदबाज ने पहली पारी में 3 जबकि दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर अपनी टीम की बंगाल पर जीत में अहम भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला।

उनादकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया था पर पहले टेस्ट में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली। दूसरे टेस्ट से पहले उन्हें रणजी फाइनल के लिए रिलीज कर दिय गया था। उन्होंने इस फैसले को सही साबित करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी। सौराष्ट्र ने इस मैच में बंगाल को नौ विकेट से हराया। इस मैच में सौराष्ट्र को जीत के लिए केवल 12 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। उनादकट के अलावा इस मैच में बाएं हाथ के चेतन सकारिया ने भी 3 विकेट लिए। इसके अलावा उसके बल्लेबाज अर्पित वसवाड ने पहली पारी में 81 रन बनाये थे जिससे सौराष्ट्र की टीम पहली पारी में 404 रन बनाने में सफल रही थी।

बैडमिंटन एशियाई मिश्रित टीम चैंपियनशिप : चीन से हारा भारत, कांस्य पदक जीता

दुबई : भारत का अभियान यहां बैडमिंटन एशियाई मिश्रित टीम चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में चीन से 2–3 की पराजय से समाप्त हुआ लेकिन देश कांस्य पदक जीतने में सफल रहा। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में यह भारत का पहला पदक है। शनिवार को सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक मिलता है। भारत की युगल टीमों ने प्रेरणादायी प्रदर्शन कर अपने प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देकर जीत हासिल की। एच एस प्रणय को शुरूआती पुरूष एकल मैच में महज 45 मिनट में लेई लान जि से 13–21, 15–21 से और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को महिला एकल मैच में एक घंटे 10 मिनट में गाओ फांग जि से हार का सामना करना पड़ा। इससे भारतीय टीम 0–2 से पीछे थी। पर युगल टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कोर 2–2 से बराबर कर दिया। ध्रुव कपिला और चिराग शेट्टी की पुरूष युगल जोड़ी ने फिर जिन टिंग और झोऊ हाओ डोंग को 21–19,21–19 से मात दी। तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने लियू शेंग शु और टान निंग की जोड़ी को 21–18 13–21 21–19 से हराकर स्कोर 2–2 किया। फिर सभी की निगाहें ईशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी पर लगी थीं लेकिन जियांग झेन बांग और वेई या जिन निर्णायक मैच में कहीं मजबूत साबित हुए और उन्होंने इसे महज 34 मिनट में 21–17 21–13 से जीत लिया। भारत ने शुक्रवार को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हांगकांग को 3–2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पहला पदक सुनिश्चित किया था।

सचिन तेंदुलकर को बूढ़ा कह रहे थे क्लार्क, सहवाग ने पप कहकर कर दी बोलती बंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीमें ग्राउंड पर आमने सामने हों और स्लेजिंग न हो, यह नामुमकिन है। स्लेजिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया को महारात हासिल है। आस्ट्रेलियाई जब टीम को मुश्किल में देखते हैं तो हमेशा ही विपक्षी खिलाड़ियों पर ग्राउंड में छींटाकशी शुरू कर देते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने ऐसा ही एक किस्सा कमेडिन कपिल शर्मा के शो में सुनाया था। उन्होंने खुलासा किया था कि तब कंगारू बैटर माइकल क्लार्क महान बैटर सचिन तेंदुलकर को लगातार स्लेज कर रहे थे और इसका मुंहतोड़ जवाब सहवाग ने क्लार्क को दिया था।

वीरेंद्र सहवाग ने बताया एक मैच में मैं और सचिन तेंदुलकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बैटिंग कर रहे थे। तब माइकल क्लार्क कंगारू टीम में नए नए आए थे। मैंने देखा कि क्लार्क सचिन को लगातार स्लेज कर रहे थे। वह सचिन को बुजुर्ग कहे जा रहे थे। उनके मुंह से बार बार मैं यह सुन रहा था कि आप बुजुर्ग हो चुके हो आप ये नहीं कर सकते और आप वह नहीं कर सकते। किसी भी खिलाड़ी का ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी टीम यह हथकंडा अपनाती है। पहले के मुकाबले मौजूदा समय में भारतीय खिलाड़ी भी विपक्षी की आखों में आंखें डालकर जवाब देना जानते हैं। सहवाग ने कहा मैं क्लार्क के पास गया और पूछा कि तुम्हारा उम्र क्या है? क्लार्क का जवाब था 23 साल। फिर मैंने कहा कि क्या तुम जानते हो तुम्हारी उम्र से ज्यादा तो इनके टेस्ट में शतक हैं।

वीरेंद्र सहवाग के ये कहने के बावजूद क्लार्क नहीं मानें और वह फिर भी तेंदुलकर को स्लेज करते रहे। सहवाग फिर क्लार्क के पास गए और कहा तुम्हारे दोस्त तुम्हे पप नाम से बुलाते हैं? क्लार्क का जवाब था हां। फिर मैंने पूछा कि तुम्हारी नस्ल कौन सी है। इतना सुनते ही क्लार्क शर्म से पानी पानी हो गए। उस समय उनका चेहरा देखने लायक था। इसके बाद उसने सचिन की स्लेजिंग बंद कर दी।

अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में अलकराज के सामने नॉरी की चुनौती

ब्यूनस आयर्स। शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में बर्नबी जपाटा मिरालेस को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की जहां उनका सामना कैमरून नॉरी से होगा। स्पेन के दो खिलाड़ियों के बीच हुए सेमीफाइनल मुकाबले में शनिवार को अलकाराज ने 6–2, 6–2 की आसान जीत दर्ज की। अलकाराज अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे है। फाइनल में उनके सामने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त नॉरी की चुनौती होगी। नॉरी ने एक अन्य सेमीफाइनल में जुआन पाब्लो वरिलास को 7–6 (5), 6–4 से हराया। नॉरी दुनिया ने रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी अलकाराज को अगस्त में सिनसिनाटी ओपन में हराया था है लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच हुए चार मैचों में यह उनकी इकलौती जीत है।

आईपीएल में सीएसके की कप्तानी के लिए मोइन अली हो सकते हैं अच्छे विकल्प, पार्थिव पटेल ने दिया सुझाव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के शेड्यूल की घोषणा के साथ, क्रिकेट प्रशंसकों ने आगामी मेगा इवेंट से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा शुरू कर दी है। चर्चा के बिंदुओं में से एक यह भी है कि महिंद्र सिंह धोनी के जाने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कौन संभालेगा।

पूर्व टेस्ट क्रिकेटर पार्थिव पटेल का कहना है कि इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली सीएसके के लिए कप्तानी विकल्प हो सकते हैं। पार्थिव पटेल ने कहा एक नाम है जिसे मैं बताना चाहूंगा, वह है मोईन अली। हमें यह देखना होगा कि क्या ऋतुराज गायकवाड़ कप्तानी के लिए तैयार हैं और यदि आप बेन स्टोक्स की बात करेंगे तो आपको जान लेना चाहिए कि आईपीएल के तुरंत बाद एशेज शुरू होने जा रहा है और इंग्लैंड बोर्ड उन्हें कितना खेलने की अनुमति देगा, यह देखने वाली बात होगी है।

पटेल ने कहा कि मोईन के पक्ष में एक सकारात्मक बात यह है कि वह पूरे आईपीएल 2023 के लिए उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि वह टेस्ट नहीं खेलते हैं। इसलिए उन्हें एशेज सीरीज के लिए नहीं जाना होगा। पटेल ने कहा हालांकि मोईन अली उस प्रकार का खिलाड़ी है, जो टेस्ट मैच नहीं खेलते हैं और जोस बटलर के चोटिल होने या अनुपलब्ध होने पर इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं। इसलिए, वह एक अल्पकालिक विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि सीएसके और मुंबई हमेशा लंबे विकल्पों के बारे में सोचते हैं।

पार्थिव ने कहा उनके पास रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) में मोईन के साथ खेलने का अनुभव है और उन्हें लगता है कि इंग्लैंड के खिलाड़ी में नेतृत्व के गुण हैं। भारत के पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि सीएसके को घरेलू मैदान में नई ऊर्जा लानी होगी और सकारात्मक ऊर्जा पर ध्यान देना होगा।

यह बजट देश के रक्षा क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र में क्रांति लाएगा: सीआर पाटिल

सूरत भूमि, सूरत। भारतीय जनता पार्टी गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री सीआर पाटिल साहब और केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री माननीय दर्शनाबेन जरदोश ने आज ले मेरिडियन होटल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। माननीय श्रीमती दर्शनाबेन जरदोश, केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री ने आने वाले दिनों में रेलवे के आधुनिकीकरण के बारे में बात की। जिसमें विशेष रूप से नवनिर्मित सूरत रेलवे स्टेशन और यह अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन कैसे बनेगा और एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं की भी जानकारी दी गई।

सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री सीआर पाटिल साहब ने केन्द्रीय बजट की जानकारी दी और कहा कि यह बजट किस प्रकार सम्पूर्ण देश और समाज के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय बजट अमरत्व का बजट है और इसके तहत समाज के उच्च वर्ग से लेकर हाशिए के लोगों तक सभी के हितों का ध्यान रखा गया है. किसानों से लेकर व्यापारियों, नौजवानों, महिलाओं और हर वर्ग के लोगों तक के लिए इस बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि यह बजट देश के रक्षा क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र में क्रांति लाएगा।

उपरोक्त अवसर पर गुजरात सरकार के मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल, सूरत भाजपा शहर अध्यक्ष श्री निरंजन झांझमेरा, महासचिव श्री किशोरभाई बिंदल, श्री कालुभाई भीमनाथ, विधायक सुश्री संगीताबेन पटेल, श्री प्रवीणभाई घोघारी, श्री अरविंदभाई राणा, श्री मनुभाई पटेल, श्री संदीपभाई देसाई, गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जनकभाई बगदानावाला, सूरत नगरपालिका स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री परेशभाई पटेल उपस्थित थे।

सूरत भूमि, सूरत। श्री छत्रपति शिवाजी महाराज 393 जन्म जयंती के अवसर पर आवाज सेवाभावी ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 179 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। सूरत सिविल ब्लड बैंक एवं सरदार ब्लड बैंक के डॉक्टरों की टीम ने अपना योगदान दिया। आवाज सेवाभावी ट्रस्ट के जयवंत खैरनार ने बताया कि शहर में ब्लड की कमी ना हो इसलिए उनकी संस्था द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जाता है उन्होंने सभी लोगों का धन्यवाद किया।

सूरत में कुत्तों हुए खुंखार, लहूलुहान हालत में मासूम को अस्पताल में कराया गया शिफ्ट

सूरत। सूरत शहर में एक बार फिर कुत्तों का आतंक सामने आया है। सूरत के खजोड़ इलाके में एक साथ तीन कुत्तों के हमले से बच्ची की हालत दयनीय हो गई है। कुत्तों द्वारा करीब 40 बच्चों को नोचने के बाद 2 साल की बच्ची को गंभीर हालत में इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया गया है।

दो साल की बच्ची पर तीन कुत्तों ने हमला कर दिया

सूरत के खजोड़ इलाके में कुत्तों ने डेढ़ साल की बच्ची पर हमला कर दिया। अचानक कुत्तों द्वारा एक बच्चे को काटने का मामला सामने आया है. बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई है। अब उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। अब पता चला है कि एक्स-रे के बाद उन्हें सर्जरी के लिए भेजा गया है।

ये परिवार भी हीरे की बुर के पीछे रहने वाले मजदूरों के बीच रहता था और अचानक बच्ची घर के पास अकेली थी. इसी बीच घर के पास खड़ी बच्ची पर अचानक 3 कुत्तों ने हमला कर दिया। बच्ची के 40 से ज्यादा बच्चे पैदा होने के बाद मासूम की हालत गंभीर हो गई।

सिविल अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर तेजस चौहान ने बताया कि बच्ची को उसकी मां खाजोद इलाके से सिविल अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में लेकर आई थी। कुत्तों ने बच्ची को काफी गंभीर चोटें मारी हैं। शरीर पर करीब 30 से 40 चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। जिसमें खासकर सिर, छाती और कमर में ज्यादा चोटें आई हैं। कुत्ते के काटने के इंजेक्शन समेत इमरजेंसी विभाग में बच्ची का इलाज चल रहा है। फिलहाल उन्हें सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया है।

शिवरात्रि के दिन पंचमुखी महादेव की 123 वी पालखी शोभायात्रा निकाली गई

रिपोटर सूरत भूमि, चंद्रकांत सी पूजारी महुवा, सूरत।

सुरत जिले में आया आदिवासी बहुल्य बस्ती वाला महुवा तहसील जिसमें आया महुवा नगर में हर साल की तरह ईस साल भी पालवाडा औदिच्य सहस्त्र ब्राह्मण अशेष द्वारा पूर्णा नदी के तट पर आया श्री पूर्णेश्वर महादेव जी के मंदिर पर बडे धाम धूम से शिवरात्रि महोत्सव मनाया गया पुरे दिन बडी संख्या मे भक्तों ने पूर्णेश्वर महादेव जी का दर्शन करके पुण्य फल स्वरूप मे शुभ आशिर्वाद प्राप्त किया

पूर्णेश्वर महादेव मंदिर को पूजारी इलेक्ट्रिक डेकोरेशन महुवा द्वारा हर साल की तरह इस साल भी रंगबे रंगीन रोशनी से सजाया गया पूजारी इलेक्ट्रिक सालों से शिवरात्रि महोत्सव के दिन यह सेवा देते आ रहा है ।

शाम को पारंपरिक तरीके से पूर्णेश्वर महादेव मंदिर परिसर से पंचमुखी महादेव की शोभायात्रा पुरे नगरमे निकाली गई यह शोभायात्रा का नगर वासीयों ने अपने द्वारपर आई तब पालखी में बिराजमान श्री पंचमुखी महादेव के दर्शन करके सुगंधित पुष्प से स्वागत किया पुजा आरती अभिषेक किया गया, और वापस देर रात को पालखी शोभायात्रा पूर्णेश्वर महादेव मंदिर परिसर पर पहुंची तब पूर्व महुवा तहसील पंचायत भाजपा पार्टी के पार्षद व महुवा तहसील पंचायत के उपाध्यक्ष व पूर्व पूर्णेश्वर महादेव मंदिर के अध्यक्ष श्री हेमानसुभाई नवीनचंद्र उपाध्याय जी ने अपने परिवार के साथ एवम सुरत जिला कोंग्रेस पार्टी के मंत्री व सहकारी सामाजिक अग्रणी निखिल भाई व्यास महुवा , पूर्व महुवा जिला पंचायत पार्षद आरती केयूर भाई शुक्ल महुवा ,चंद्रकांत सी पूजारी क्रांतिकारी पत्रकार संघ गुजरात प्रदेश अध्यक्ष , जयंतीभाई जोशी महुवा, धरा बहेन व्यास महुवा , सोनल बहेन उपाध्याय महुवा, भारती बहेन उपाध्याय महुवा, रंजन बहेन जोशी महुवा, अर्चना बहेन व्यास बारडोली, जीया गौरांग व्यास महुवा ,आनंदभाई व्यास बारडोली, द्वारा महाआरती की गई बादमे विविध राज्यों में छोटे मोटे मंदिर बनानेवाले शिल्पी अमीतभाई सोमपुरा महुवा द्वारा दुध की ठंडाई का प्रसाद बाटा गया दिन भर मंदिर में विविध मंडल द्वारा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया इस तरह शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन संपन्न हुआ।

यह पालखी शोभायात्रा का आयोजन श्री पालवाडा औदिच्य सहस्त्र ब्राह्मण अशेष महुवा पिछले 122 साल से करते आ रहा है यह परंपरा को जीवीत रखते हुवे यह साल 123 वी शोभायात्रा हिनेशभाई एच उपाध्याय की अध्यक्षता में निकाली गई यह शोभायात्रा में ब्राह्मण समाज के सभी पदाधिकारी के साथ पुरा ब्राह्मण समाज एवम महुवा नगर के सभी ज्ञाति के लोग व आसपास के नगर के पूर्णेश्वर महादेव के भक्त गण भी बड़ी उपस्थित रहकर पालखी शोभायात्रा में शामिल होकर शोभा बढ़ाई पालखी को सुंदर सुगंधित पुष्प से एवम सफेद और भगवा रंग के वस्त्रों द्वारा मीनुभाई व्यास द्वारा श्रृंगार करके सजाया गया ।

सूरत हजीरा पोर्ट से सागर परिक्रमा कार्यक्रम के तीसरे चरण की शुरुआत

सूरत।

भारत में नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और मछुआरों को घर पर योजना का लाभ प्रदान करने के लिए केंद्रीय मत्स्य, डेयरी, पशुपालन मंत्रालय द्वारा 19 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित 'सागर परिक्रमा' कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ सूरत से किया गया. केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा सूरत में हजीरा पोर्ट मंत्री पुरुषोत्तमभाई रूपाला द्वारा किया गया था।

इस संबंध में केन्द्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंत्री श्री परषोत्तमभाई रूपाला ने सूरत सर्किट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि च्आजादी का अमृत महोत्सवज् के तहत केन्द्रीय मत्स्य विभाग द्वारा 'सागर परिक्रमा' के तहत सागर परिक्रमा की जा रही है. सरकार द्वारा तटीय क्षेत्रों, मछुआरों, मछुआरा समुदायों को लागू किया गया है। कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता को भी बढ़ावा दिया जाता है, साथ ही प्रगतिशील मत्स्य किसान लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम मत्स्य सम्पदा योजना के तहत रेफ्रिजेरेटेड वैन, विभिन्न उपकरणों सहित लाभान्वित किया गया है। आइसबॉक्स, मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड के साथ मोटर साइकिल। 'सागर परिक्रमा' का पहला चरण 5 और 6 मार्च, 2022 को और दूसरा चरण 22 से 25 सितंबर, 2022 तक गुजरात में पूर्व-निर्धारित समुद्री मार्गों पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करते हुए सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

श्री रूपाला ने आगे कहा कि आजादी के बाद तत्कालीन सरकार द्वारा मत्स्य उद्योग की पूरी तरह से उपेक्षा की गई थी. वर्ष 1947 से 2014 तक मात्र 3680 करोड़ रुपए खर्च किए गए। इसके विरुद्ध वर्तमान केंद्र सरकार ने समुद्री किसानों के समग्र विकास के लिए पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत 20 हजार करोड़ रुपये और मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड रुपये आवंटित किए हैं। पात्र इकाइयों को रियायती ऋृण प्रदान करने के लिए 7500 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। 5 हजार करोड़ रुपये की क्रांति योजना लागू की गई है। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में 6000 करोड़ रुपये की एक अतिरिक्त योजना शुरू की गई है। उन्होंने आगे कहा कि आजादी के समय मछली का उत्पादन दो लाख टन था। जो वर्ष 2013-14 में 61 लाख टन हो गया। उन्होंने कहा कि 2014 से, हमारी सरकार के प्रयासों के कारण, पिछले आठ वर्षों में मत्स्य उत्पादन 1.21 करोड़ टन तक पहुंच गया है, और आज हमने सफलतापूर्वक 57,000 करोड़ रुपये का निर्यात किया है।

सूरत में अपनी शादी की कंकोत्री देने जा रहे युवक की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई

अपनी शादी की कंकोत्री बाटने निकले एक युवक की सड़क पर हादसे में मौत हो गई। तीन दिन पहले सूरत के पर्वत पाटिया इलाके से एक युवक अपनी शादी की रस्म निभाने के लिए बाइक से निकला था। इसी बीच पर्वत पटिया से सरदार मार्केट जाने वाली सड़क पर ट्रक चालकने युवक को पीछे से टक्कर मार दी और ट्रक दोनों पैरों को कुचल गया।

उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां दो दिन बाद इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है और पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। बारातियों के घर में दूल्हे के दुर्घटनाग्रस्त होने से मोती के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

शादी से पहले दुर्घटनावश मौत

जानकारी के अनुसार राजस्थान का रहने वाला 26 वर्षीय जितेंद्रदान दोलतदान चारण परिवार के साथ गोडादरा स्थित लक्ष्मीपार्क सोसाइटी में रह रहा था। वह अपने भाई के साथ सूरत में कपड़े का कारोबार करता था। जीतेंद्र के परिवार में खुशी का माहौल था क्योंकि जीतेंद्र की शादी 22 फरवरी को तय हुई थी। वह शहर में सभी को अपनी शादी में आमंत्रित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से जाता था। लेकिन जितेंद्र को क्या पता था कि शादी से पहले अकाने की दुर्घटनावश मौत हो जाएगी।

सूरत शहर में जहां हादसों की घटनाएं सामने आ रही हैं वहीं पुणे इलाके में एक और हादसा सामने आया है। गोडादरा स्थित लक्ष्मीपार्क सोसाइटी निवासी 26 वर्षीय जीतेंद्रदान डोलतादान चारण की 22 फरवरी को शादी थी और वह अपनी शादी की खुशी में शामिल होने के लिए सूरत में रहने वाले अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को कंकोत्री देने निकला था। इसी बीच पर्वत पटिया पहुंचते ही उनकी बाइक को सीमेंट से भरे ट्रक ने टक्कर मार दी। और गंभीर दुर्घटना का शिकार हो गया। इसी बीच वह बाइक से नीचे गिर गया। हादसे में जीतेंद्र को ट्रक ने कुचल दिया। उन्हें गंभीर चोटें आईं। इसलिए उन्हें इलाज के लिए स्मीर अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में मातम पसर गया।

सेंट-गोबैन इंडिया ने सूरत में अपने विशेष 'माईहोम' स्टोर का अनावरण किया

सूरत ।

सेंट-गोबैन प्रकाश और टिकाऊ निर्माण में एक वैश्विक नेता है, जिसका मिशन "दुनिया को एक बेहतर घर बनाना" है। भारत 1.35 अरब लोगों का घर है और 32त्न के वर्तमान शहरीकरण स्तर के साथ, हमें आने वाले वर्षों में सैकड़ों और हजारों घरों का निर्माण करने की आवश्यकता होगी। महामारी ने घरों को हमारे अस्तित्व का केंद्र बना दिया है, क्योंकि हम अपने घरों से काम करते हैं और सीखते हैं। घरों के लिए समाधानों की तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, सेंट-गोबैन ने शावर क्यूबिकल्स, खिड़कियां, रसोई के शटर, अलमारी के शटर, एलईडी मिरर, ग्लास राइटिंग बोर्ड, जिप्रोक सीलिंग, ड्राईवाल, टाइलिंग सहित ग्राउटिंग समाधान, जिप्सम प्लास्टर, कुछ टीड रूफिंग शिंगल्स और नोवेलियो वॉल कवरिंग और कई अन्य एंड-टू-एंड और इनोवेटिव समाधान विकसित किए हैं। सेंट-गोबैन इन सभी समाधानों को माई-होम के तहत एक साथ लाया है, जो ग्राहकों को डिजाइन से लेकर स्थापना तक समाधान प्रदान करता है।

बढ़ते बुनियादी ढांचे के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी, रहने की कम लागत और आकर्षक अचल संपत्ति की कीमतों ने टियर 2 और टियर 3 शहरों को घर खरीदारों और निवेशकों के लिए उपयुक्त रियल एस्टेट गंतव्यों में बदल दिया है। ये शहर तेजी से अचल संपत्ति बाजार के रूप में उभर रहे हैं, एक मजबूत आवास खंड समग्र बुनियादी ढांचे के विकास के पूरक हैं। सेंट-गोबैन इंडिया ने गुजरात के सबसे बड़े और सबसे अधिक आबादी वाले शहर सूरत में घरेलू समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपना माय-होम स्टोर खोला है।

सेंट-गोबैन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक श्री हेमंत खुराना ने कहा, च्मुझे सूरत में माईहोम शॉप खोलने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम शहर के लिए अपने समाधान प्रदान करने में सक्षम होने के लिए रोमांचित हैं, एक ऐसा बाजार जो फलफूल रहा है और जबरदस्त क्षमता के साथ बढ़ रहा है। सूरत स्टोर विश्व स्तरीय समाधान प्रदान करने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है और ग्राहकों, डीलरों, वास्तुकारों और बिल्डरों को एक ही छत के नीचे सामान और समाधान खोजने का अवसर प्रदान करता है। माई-होम शॉप को लोकप्रिय माय-होम वेबसाइट के साथ जोड़कर, हम अपने ग्राहकों को एक वास्तविक (भौतिक + डिजिटल) अनुभव देना चाहते हैं।

सेंट-गोबैन इंडिया के बिजनेस हेड श्रीहरि के कहते हैं, "हमारा एक्सक्लूसिव माई-होम स्टोर सूरत में स्थित होगा और हम शहर के पहले एक्सपीरियंस स्टोर के उद्घाटन की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। इसका उद्देश्य भारत, विशेष रूप से उत्तर भारत में अपने रिटेल बेस का विस्तार करना और ग्राहकों की आधुनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए समाधान विकसित करना है। ग्राहक अब हमारे उत्पादों को सूरत माय-होम शोरूम में आजमा सकते हैं।

एसएमसी ने अहमदाबाद की एक सोसायटी में रेड कर शराब के साथ 6 आरोपियों को पकड़ा

अहमदाबाद।

गुजरात में संपूर्ण शराबबंदी होने के बावजूद आए दिन बड़े पैमाने पर शराब पकड़ी जाती है। हाल ही में स्टेट मोनिटरिंग सेल (एसएमसी) अहमदाबाद के माधवपुरा क्षेत्र में छापेमारी कर बड़ी मात्रा में शराब समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अब एसएमसी ने अहमदाबाद के अमराईवाडी क्षेत्र की एक सोसायटी में रेड कर बड़ी मात्रा में शराब बरामद की है। पूर्व सूचना के आधार पर एसएमसी ने अमराईवाडी की अश्वमेख सोसायटी में छापा मारा। जहां से 6 आरोपियों के साथ शराब समेत 2 लाख रुपए का मालसामान जब्त कर लिया। गौरतलब है कुछ दिन पहले दाहोद एलसीबी ने रु. 47 लाख से अधिक कीमत की शराब बरामद की थी। पकड़ी गई शराब मध्य प्रदेश से ट्रक में गुजरात लाई जा रही थी। ट्रक में सफेद पाउडर की आड़ में शराब तस्करी की जा रही थी। पूर्व सूचना के आधार पर दाहोद एलसीबी ने खंगेला बोर्ड के निकट से रु. 47.48 लाख की शराब और ट्रक समेत रु. 77.53 लाख का माल-सामान जब्त किया था। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में आए दिन शराब पकड़ी जाती है।

माल ढुलाई की लिफ्ट टूटने से एक श्रमिक की मौत

भावनगर।

शहर के चित्रा जीआईडीसी स्थित साईं कोल्ड स्टोरेज में माल ढुलाई की लिफ्ट टूटने से आज एक और श्रमिक की आज मौत हो गई। इसी के साथ घटना में मृतकों की संख्या 3 हो गई है। जबकि चार मजदूरों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक भावनगर के चित्रा जीआईडीसी स्थित छह मंजिला कोल्ड स्टोरेज में गत 1। फरवरी को माल ढुलाई की लिफ्ट टूट गई थी। जिसमें । जितने श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दो मजदूरों की पहले ही मौत हो चुकी है अब एक और सुभाषचंद्र नामक श्रमिक ने भी दम तोड़ दिया है। लिफ्ट टूटने की घटना में अब तक तीन श्रमिकों की मौत हो चुकी है। जबकि श्रमिकों का अब भी भावनगर के सर टी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)